दैनिक

# क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 152
मुरादाबाद
(Tuesday)
23 September 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## पीएम मोदी ने अरुणाचल को दी 5100 करोड़ की सौगात, बोले- पूर्वोत्तर के राज्य हमारे लिए अष्टलक्ष्मी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में 5,100 करोड़ से ज्यादा रुपये की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें दो बड़े जलविद्युत प्रोजेक्ट, तवांग में कन्वेंशन सेंटर और कनेक्टिविटी व स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्य अष्टलक्ष्मी हैं और सरकार उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से मिलकर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान भी किया।अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 5,100 करोड़ से ज्यादा रुपये के महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। समारोह इंदिरा गांधी पार्क में आयोजित किया गया। पीएम ने शि योमी जिले में दो बड़े जलविद्युत प्रोजेक्ट्स और तवांग में एक कन्वेंशन सेंटर की आधारशिला रखी। पीएम ने पूर्वोत्तर राज्यों के लिए कहा कि ये हमारे लिए अष्टलक्ष्मी हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियां इन राज्यों के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए हैं। उन्होंने पिछले कई वर्षों में पिछली सरकारों द्वारा अरुणाचल प्रदेश के विकास की अनदेखी की तुलना में केंद्र की उपलब्धियों को रेखांकित किया और कहा कि नेक नियत के सही नतीजे अब दिख रहे हैं। हिमालय की गोद में आज माता का आशीर्वाद प्राप्त हुआ उन्होंने आगे संबोधित करते हुए कहा कि 2014 में जब देशवासियों ने उन्हें सेवा का अवसर दिया तो उन्होंने कांग्रेसी सोच से देश को मुक्त करने का संकल्प लिया। मोदी ने स्पष्ट किया कि उनकी प्रेरणा किसी राज्य में वोट और सीटों की संख्या से नहीं, बल्कि राष्ट्र को सर्वोपरि रखने की भावना से आती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित ही उनके हर फैसले की नींव है। मोदी ने अपने अरुणाचल दौरे को तीन कारणों से विशेष बताया। पहला, नवरात्र के शुभ अवसर पर हिमालय की गोद में स्थित इस भूमि पर आकर मां शैलपुत्री का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। दूसरा, देश में नेक्सट जेन जीएसटी सुधार लागू हुए और बचत उत्सव की शुरुआत हुई, जिससे त्योहारों के मौसम में जनता को डबल बोनस मिला। तीसरा, अरुणाचल प्रदेश में कई बड़े परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, जो राज्य के विकास को नई गति देंगे। मोदी ने कहा कि तवांग मठ से नमसाई तक अरुणाचल शांति और संस्कृति का अद्भुत संगम है और मां भारती का गौरव है। पूर्वोत्तर की राजनीति पर बोले सिक्किम के प्रधानमंत्री - कार्यक्रम में सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कभी भी पूर्वोत्तर को राजनीति के तराजू में नहीं तोला। उन्होंने हमेशा यही कहा कि भारत तभी आगे बढ़ेगा जब नॉर्थ ईस्ट आगे बढ़ेगा। 2014 से पहले पूर्वोत्तर नकारात्मक कारणों से जाना जाता था, लेकिन अब यह विकास का इंजन बनकर देश की प्रगति में योगदान दे रहा है। मोदी ने अरुणाचल को उगते सूरज की धरती बताते हुए कहा कि यहां का हर नागरिक शौर्य और शांति का प्रतीक है, जैसे तिरंगे का पहला रंग केसरिया है, वैसे ही अरुणाचल का रंग भी शौर्य का प्रतीक है। स्थानीय लोगों से स्वदेशी को बढ़ाने पर की चर्चा- इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थानीय व्यापारियों, उद्योगपतियों और करदाताओं के साथ जीएसटी दरों में हालिया सुधारों के प्रभाव पर चर्चा की। पीएम ने व्यापारियों से सीधे बातचीत की और उनकी चिंताओं को सुना। यह बैठक एक सक्रिय संवाद के रूप में आयोजित की गई, जिसमें व्यापारियों ने अपने अनुभव और सुझाव साझा किए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जीएसटी दरों के हालिया संशोधन से व्यापारियों और उद्योग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि सरकार उनकी समस्याओं को गंभीरता से ले रही है और आर्थिक गतिविधियों को सुचारू बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।स्वदेशी पर गर्व का संदेश इस अवसर पर पीएम मोदी ने व्यापारियों को 'गर्व से कहो ये स्वदेशी है' के पोस्टर भी दिए। दुकानदारों ने खुशी जताई और कहा कि वे इन पोस्टरों को अपने दुकानों पर लगाकर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देंगे। प्रधानमंत्री ने इस पहल को एक उत्सव का रूप देते हुए स्थानीय व्यापारियों और करदाताओं को राष्ट्रीय भावना से जोड़ने का प्रयास किया।आर्थिक सशक्तिकरण और स्वदेशी का महत्व प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने व्यापारियों को प्रेरित किया कि वे स्थानीय उत्पादों के उपयोग और प्रचार के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण में योगदान दें। व्यापारियों ने कहा कि जीएसटी सुधारों से कीमतों और बिक्री पर असर पड़ेगा, लेकिन स्वदेशी उत्पादों के प्रचार से उनकी बिक्री में वृद्धि संभव है। पीएम मोदी ने व्यापारियों की राय को महत्व देते हुए कहा कि सभी सुझावों को नीति निर्माण में शामिल किया जाएगा।जिन प्रोजेक्ट्स का किया उद्घाटन, उनके बारे में जानें ताटो-ङु प्रोजेक्ट... इसकी क्षमता 186 मेगावाट है, अरुणाचल प्रदेश सरकार और एनईईपीसीओ के संयुक्त प्रयास से 1,750 करोड़ रुपये की लागत में विकसित होगा। यह परियोजना सालाना 802 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन करेगी। 240 मेगावाट क्षमता वाला हेओ प्रोजेक्ट भी इसी साझेदारी में 1,939 करोड़ रुपये की लागत से विकसित होगा और सालाना 1,000 मिलियन यूनिट बिजली देगा। ये दोनों प्रोजेक्ट्स राज्य की हाइड्रोइलेक्ट्रिक क्षमता बढ़ाकर क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा में अहम योगदान देंगे। कन्वेंशन सेंटर भी लॉन्च... प्रधानमंत्री मोदी ने एक और योजना के तहत तवांग में 145.37 करोड़ रुपये की लागत से 1,500 लोगों की क्षमता वाला कन्वेंशन सेंटर भी लॉन्च किया। यह सेंटर वैश्विक मानकों के अनुसार बनाया जाएगा और पर्यटन व सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा। इसके अलावा पीएम ने स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी और फायर सेफ्टी जैसे विभिन्न सेक्टरों में 1,290 करोड़ रुपये से अधिक की अन्य परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया।

## संक्षिप्त समाचार

### फ्लाइट में यात्री ने की कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश, बंगलूरू से वाराणसी जा रहा था विमान

बंगलूरू से वाराणसी जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस विमान में सोमवार को एक बड़ी घटना हुई। फ्लाइट में एक यात्री ने विमान के कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की। यह पूरी घटना तब हुई, जब विमान उड़ान भर चुका था। बताया गया है कि एआई एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-1086 सोमवार को बंगलूरू एयरपोर्ट से सुबह 8 बजे उड़ी थी। इस दौरान एक यात्री अपनी सीट से उठकर कॉकपिट के दरवाजे के पास पहुंचा और उसे खोलने की कोशिश करने लगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह शख्स आठ अन्य लोगों के साथ सफ कर रहा था। इस घटना के बाद उस शख्स और उसके साथियों को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंप दिया गया। फ्लाइट की सुरक्षित वाराणसी में लैंडिंग हुई। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बाद में इस घटना पर बयान भी जारी किया। विमानन कंपनी ने कहा कि फ्लाइट में किसी भी सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं हुआ था। बयान में कहा गया, हमें इस घटना को लेकर आईं मीडिया रिपोर्ट्स की जानकारी है। एक यात्री टॉयलेट (लैवेटरी) की खोज करता हुआ कॉकपिट के एंट्री एरिया में घुस गया। हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि सुरक्षा मानक लगातार अपनी जगह पर हैं और इनका उल्लंघन नहीं हुआ। इस मसले को संबंधित अधिकारियों को बता दिया गया है।

## सीएम रहते विरोध...अब मसीहा बन रहे, GST पर जयराम रमेश ने PM को घेरा;भाजपा ने भी किया पलटवार

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी पर जीएसटी को लेकर 'यू-टर्न' का आरोप लगाया और हालिया सुधारों को सीमित बताया। उन्होंने कहा कि मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते जीएसटी का विरोध किया था। इधर, भाजपा नेता हरदीप पुरी ने कांग्रेस को नए मुद्दे तलाशने की नसीहत दी और कहा कि ये सब बासी मुद्दे हैं।कांग्रेस और भाजपा के बीच एक बार फिर जीएसटी को लेकर राजनीतिक जंग छिड़ गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो जीएसटी का विरोध करते थे, लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने 'यू-टर्न' लेकर 2017 में खुद को इसका मसीहा घोषित कर दिया। रमेश ने दावा किया कि हालिया सुधार सीमित हैं और यह छोटे और मध्यम उद्योगों की दिक्कतें हल नहीं करते। कांग्रेस और भाजपा के बीच एक बार फिर जीएसटी को लेकर राजनीतिक जंग छिड़ गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो जीएसटी का विरोध करते थे, लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने 'यू-टर्न' लेकर 2017 में खुद को इसका मसीहा घोषित कर दिया। रमेश ने दावा किया कि हालिया सुधार सीमित हैं और यह छोटे और मध्यम उद्योगों की दिक्कतें हल नहीं करते। रमेश ने कहा कि 2006 से 2014 तक लगातार आठ साल तक केवल एक मुख्यमंत्री जीएसटी का विरोध करते रहे और वही आगे चलकर 2014 में प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने आठ साल तक कांग्रेस की मांगों को नजरअंदाज किया और अब सुधार लागू कर रही है। रमेश के मुताबिक, हालिया बदलावों में राज्यों को पांच साल के लिए क्षतिपूर्ति पैकेज देने की मांग पूरी नहीं हुई और न ही प्रक्रियागत जटिलताओं को दूर किया गया है। गब्बर सिंह टैक्स का जिक्र- कांग्रेस सांसद ने कहा कि जीएसटी को जुलाई 2017 में लागू किया गया था। उस समय राहुल गांधी और कांग्रेस ने इसे 'गब्बर सिंह टैक्स' करार दिया था। रमेश ने कहा कि कांग्रेस को पहले से ही अंदेशा था कि यह नोटबंदी के बाद अर्थव्यवस्था पर दूसरा बड़ा झटका होगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी का प्रस्ताव 2006 में तत्कालीन वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने रखा था और 2010 में इसे संसद में बिल के रूप में पेश किया गया था।ट्रंप की वजह से सरकार झुकी- जयराम रमेश ने कहा कि जब मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ लगाए तो मोदी सरकार को मजबूरन सुधार करने पड़े। उन्होंने कहा कि अब सरकार इसे उत्सव की तरह पेश कर रही है, जबकि यह कदम बहुत देर से उठाया गया है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि भाजपा ने संसद की स्थायी समिति में भी इसे रोके रखा और जब चुनाव नजदीक आए तो रिपोर्ट पेश की गई। भाजपा का पलटवार- कांग्रेस के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पलटवार करते हुए कहा कि जयराम रमेश को समझना चाहिए कि यदि किसी देश से टैरिफ बातचीत नहीं हो रही होती तो क्या जीएसटी दरें कम नहीं होनी चाहिए थीं? उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता का नारा नया नहीं है, इसे अब मजबूती दी जा रही है। पुरी ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस और उसके नेताओं को नए मुद्दे खोजने चाहिए क्योंकि पुराने मुद्दों पर जनता ने उन्हें नकार दिया है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव का उदाहरण दिया, जहां एनएसयूआई को हार का सामना करना पड़ा।

## नवरात्रि के पहले दिन विंध्याचल धाम में भक्तों का रेला, मां के जयघोष से गूंजा देवी दरबार

विंध्याचल धाम में सोमवार की सुबह से भक्तों का तांता लगा है। मां की एक झलक पाने को श्रद्धालु बेताब दिखे। भोर में मंगला आरती होने के बाद ही माता के दर्शन- पूजन का सिलसिला शुरू हुआ। जगत कल्याणी मां विंध्यवासिनी की चौखट पर शीश नवाने सोमवार को श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। नवरात्र के प्रथम दिन देवी धाम पहुंचे आस्थावानों ने दर्शन पूजन कर मंगल कामना की। भोर में तीन बजे दिव्य मंगला आरती और भव्य श्रृंगार पूजन के बाद विंध्यवासिनी माता के अलौकिक स्वरूप का दर्शन कर भक्त निहाल हो उठे। शहर के सभी देवी मंदिरों में सुबह से आदिशक्ति जगत जननी की जय जयकार गूंज रही है, जो अनवरत देर रात तक जारी रहेगी। शारदीय नवरात्र मेला के प्रथम दिन देश के कोने- कोने से आए भक्तों ने देवी दरबार में मत्था टेका। गंगा स्नान कर घंटों कतार में खड़े होने के बाद धाम पहुंचे श्रद्धालु माता के दिव्य स्वरूप का दर्शन कर निहाल हो उठे। विंध्य दरबार में नर नारी और बच्चे माता की भक्ति में तल्लीन नजर आए।मंदिर पहुंचे श्रद्धालु माता की एक झलक पाने को बेताब दिखे। घंटा, घड़ियाल, शंख के साथ बजते नगाड़े की धुन के बीच पहाड़ावाली के जयघोष से संपूर्ण मंदिर परिसर गुंजायमान हो रहा था। लेकिन मन में मां की प्रति उनकी आस्था चरम पर रही। धाम की छत पर जगह- जगह आसन पर बैठे साधकों का पूजन अनुष्ठान अनवरत चलता रहा वही अष्टभुजा पहाड़ पर भी दूरदराज से आए संत महात्मा और साधक विविध मंत्रों बीच आदिशक्ति के पूजन अनुष्ठान में तन्मयता से तल्लीन नजर आए। त्रिकोण परिक्रमा पथ पर विराजमान महाकाली और मां अष्टभुजी के दरबार में भी सुबह से दर्शन पूजन का सिलसिला अनवरत चल रहा है।गुड़हल, कमल और गुलाब के पुष्पों से किया गया देवी मां का भव्य श्रृंगार का दर्शन कर श्रद्धालु विभोर हो उठे। श्रद्धालुओं की मूलभूत सुविधाओं के दृष्टिगत देवी धाम क्षेत्र में प्रशासनिक तौर पर बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है।गंगा घाटों पर स्नान ध्यान करने के लिए भक्तों का रेला लगा रहा।

## राज्यपाल बोली- ड्रग लेते हैं युवा तो किसी काम के नहीं मेडल, ऑनलाइन गेमिंग को लेकर कह दी ये बात

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने सोमवार को सीसीएसयू के 37वें दीक्षांत समारोह में 147 मेधावियों को 245 गोल्ड मेडल प्रदान किए। यहां उन्होंने नशे को दूर भगाने और विवि की कैंटीन में स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया। चौधरी चरण सिंह विवि के 37वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय अपने यहां ड्रग्स मुक्त अभियान चलाएं। यह चिंता का विषय है कि युवा ड्रग्स का सेवन कर अपनी क्षमताओं को खत्म कर रहे हैं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि ड्रग्स युवाओं के जीवन को बर्बाद कर रहा है, इसलिए विश्वविद्यालय ड्रग्स मुक्त होना चाहिए। मेडल के पीछे अगर ड्रग्स है तो मेडल किसी काम का नहीं। कुलपति को विश्वविद्यालय में ड्रग्स विषय पर कार्यशालाएं करानी चाहिए। कार्यशाला में डॉक्टरों को भी शामिल किया जा सकता है।उन्होंने कहा कि नवरात्र से जीएसटी की नई दरें लागू हो रही हैं। ये प्रणाली अब और सरल व पारदर्शी होगी। ऑनलाइन गेमिंग को लेकर कहा कि इसके लिए अब कानून आ गया है, जिससे युवाओं को सुरक्षित भविष्य मिलेगा। सभी को मिलकर स्वदेशी दिवस मनाना चाहिए। मेड इन इंडिया को जीवन का आधार बनाना है। विश्वविद्यालय कैंटीन पर हो खाने की सही व्यवस्था- राज्यपाल ने विश्वविद्यालय कैंटीन पर बात करते हुए कहा कि यहां पर खाने की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। बाजार में बने हुए पनीर की बजाय दूध बाहर से लाइये और उसका पनीर बनाएं। ताकि किसी प्रकार की बीमारी का बच्चे शिकार ना हो सकें। हॉस्टल के छात्रों को सुबह 5 बजे उठाएं और खेल गतिविधियों में प्रतिभाग कराएं। लाइब्रेरी में बेटियों के लिए समय बढ़ाया जाए।

## संपादकीय Editorial

# Pakistan-Saudi Arabia Defense Agreement, a Concern for India

Did Saudi Arabia enter into a NATO-like defense agreement with Pakistan because it no longer trusts the United States as much as it once did? It's difficult to say, but it could be because, firstly, America's influence is rapidly declining, and secondly, Saudi Arabia witnessed how Israel recently attacked its neighboring country, Qatar. It's natural for India to be suspicious of the defense agreement between Pakistan and Saudi Arabia. This isn't a typical defense agreement, as it states that any attack on either country will be considered an attack against both countries. This raises the question: if India takes military action against Pakistan in the future, like the one recently carried out under Operation Sindoor, will Saudi Arabia stand with Pakistan, just as China and Turkey did? When considering this question, it's important to consider that Operation Sindoor was a military action against Pakistan-sponsored terrorism. Will Saudi Arabia also view military action against terrorism as an attack on Pakistan? In its response, India has expressed hope that Saudi Arabia will respect India's sensitivities. However, if it were concerned about India's interests, would it have entered into a similar agreement with Pakistan as those signed by members of the US-dominated military organization NATO? Did Saudi Arabia enter into a NATO-like defense agreement with Pakistan because it no longer trusts the US as much as it once did? It's difficult to say, but it could be because, firstly, America's influence is rapidly declining, and secondly, Saudi Arabia witnessed how Israel attacked its neighboring country, Qatar, a few days ago. Despite the US military base in Qatar, Israel did not hesitate to attack it. If US President Trump is to be believed, he had no knowledge of the Israeli attack on Qatar, but Saudi Arabia is likely unwilling to believe this. Whatever the case, this agreement has also thwarted the US President's dream of advancing the Abraham Accords. The US President wants to expand this agreement and establish friendly relations with other Arab countries and Israel. If Saudi Arabia chooses to enter into a defense agreement with Pakistan to address its security concerns, it is a matter of concern for India more than for the United States. This agreement could become a means of increasing Pakistan's audacity. This agreement has increased India's diplomatic challenge in West Asia. To overcome this challenge, India will have to sharpen its diplomacy on the one hand and also increase its military and economic power on the other. There is no other way, as India has extensive interests in West Asia.

# Police modernization must accelerate, despite persistent shortages in funding allocation.

The Police Modernization Plan has significantly benefited states by increasing police mobility, improving telecommunications, improving weapon quality, computerizing training, purchasing security equipment, and modernizing forensic labs. It should also be noted that over time, the number of police forces has increased, and many new challenges have emerged. Recently, the Supreme Court took suo motu cognizance of a death in police custody and initiated a review of its earlier order requiring the installation of CCTV cameras in police stations. In 2020, in the case of "Paramveer vs. Baljit Singh," the Supreme Court directed all states to install adequate CCTV cameras in police stations to prevent cases of custodial torture. Similarly, in July 2025, the Supreme Court issued guidelines directing the safe collection of DNA samples in a case and sending them to the forensic lab within 48 hours. Previously, in January 2019, the Union Home Ministry provided over 10,000 DNA collection kits to states under a pilot project, as DNA testing is a crucial aspect in the investigation of sexual offenses. New criminal laws also place greater importance on scientific evidence in investigations. In criminal cases involving imprisonment of seven years or more, forensic experts are now required to visit the scene to collect forensic evidence, and to photograph and videograph the scene using a mobile phone or other electronic device. Police must also videograph any search and seizure at a site and submit it to a magistrate within 48 hours. Secondary electronic evidence must also be verified by a cyber expert. While the Indian Civil Defence Code provides a five-year timeframe for developing forensic resources, states must also be provided with more financial resources to achieve this. The current police modernization plan was initially launched in 1999-2000 for a 10-year period. After 10 years, not only was the scheme's continuation recommended, but it was also recommended to increase funding for Maoist-affected areas and develop special plans for coastal and border areas. The Police Modernization Scheme has significantly benefited states by increasing police mobility, improving telecommunications, improving weaponry, computerization, training, purchasing security equipment, and modernizing forensic labs. It should also be noted that over time, the number of police forces has increased, and new challenges have emerged. While police and public order are included in the "State List" under the Seventh Schedule of the Constitution, and the primary responsibility for providing the necessary financial resources to the police lies with state governments, maintaining internal security in the states is also a major responsibility under the constitutional framework. To fulfill this responsibility, police modernization funds are provided to states through the Union Home Ministry's umbrella scheme, "Assistance to States and Union Territories for Police Modernization" (ASUMP). The funding pattern for Uttarakhand, Himachal Pradesh, and the northeastern states is 90:10. This means the central government contributes 90 percent, while the remaining is contributed by these states. For other states, the ratio is 60:40. Previously, this sharing was 75:25, but it was changed to 60:40 from 2012-13. Undoubtedly, the central government has continued the Police Modernization Scheme, but the annual fund allocation under it has been steadily declining. While the central government's contribution was approximately ?1,558 crore in 2012-13, it fell to its lowest level of ?460 crore in 2023-24. Following the implementation of the new criminal law in July 2024, the central government's contribution has increased to approximately ?1,007 crore in 2025-26. This trend must be continuously increased. The central government has also adopted a system like the Public Fund Management System (PFMS) to monitor the flow of financial resources, but it is not very user-friendly. Despite the financial resources allocated to states, actual expenditures consistently fall short. Sometimes, the manufacturer or vendor doesn't participate adequately, or the vendor doesn't deliver equipment on time. Sometimes, there are delays in obtaining integrated material approvals from the state government, and sometimes, contractors delay the completion of construction projects. Over time, the functioning of the Government e-Market (GeM) has improved significantly. However, the exemption for MSMEs and startups from submitting tender security deposits prevents them from seriously participating in the competition. Due to these reasons, the approved funds are often not spent on time and lapse over time. Under the ASUMP scheme for police modernization, financial assistance is also provided to states through Security Related Expenditure (SRE), Special Central Assistance (SCA), and Special Infrastructure Scheme for Maoist-affected areas to strengthen security infrastructure. Additionally, plans for forensic lab modernization and prison modernization are ongoing. Despite the ongoing contraction of the anti-Maoist campaign, financial resources are still needed on this front. The need remains to ensure that the work remains unfinished. Police will require greater resources not only to meet requirements such as forensics to enforce new criminal laws, but also to address cybercrime, AI, and many other new technological challenges. Therefore, the central government's involvement in police modernization efforts should not be diminished in any way.

# Northeast India Connects to Rail Network, Accelerating Development

This railway line, one of the country's most complex projects, was approved in 2008-09, and work began in 2015. The line includes 45 tunnels, 55 major bridges, and 88 minor bridges. Additionally, the country's second longest pier bridge, at 114 meters high, surpasses Qutub Minar (72 meters). Considering the Northeast's strategic importance, the Modi government is connecting the capitals of all the northeastern states to the railway network. Thirteen new railway lines are being laid and five lines are being doubled. On Saturday, a railway reached Aizawl, the capital of Mizoram. Previously, Indian Railways had reached Kashmir. With the inauguration of Mizoram's first railway line, Bairabi-Sairang, by Prime Minister Narendra Modi on September 13th, Mizoram was added to the railway map, 78 years after independence and 172 years since the inception of Indian Railways. Prime Minister Modi also flagged off three trains, including the Rajdhani Express. This will provide Mizoram with direct rail connectivity across the country, offering safe, affordable, and fast travel options. It will also ensure timely supplies of food grains, fertilizers, and essential commodities. It is noteworthy that the construction of the 51.38-kilometer-long Bairabi-Sairang railway line cost ?8,070 crore. Considered one of the most complex projects in the country, this railway line was approved in 2008-09, and work began in 2015. The line includes 45 tunnels, 55 major bridges, and 88 minor bridges. The 114-meter-high pier bridge is also the country's second tallest, taller than the Qutub Minar (72 meters). In the future, this railway line will be extended 223 kilometers to the Myanmar border. Preliminary surveys have already been conducted. If this railway line reaches the Myanmar border, it will benefit the Kaladan Project. Clearly, this project will prove to be a significant milestone in the Indian government's "Look East Policy." Bairabi is close to the Assam border, while Sairang is approximately 21 kilometers from the state capital, Aizawl. Laying this railway line faced numerous challenges. The Northeast Frontier Railway overcame challenges such as difficult mountainous terrain, heavy rainfall, and limited access to resources to complete the construction. The Bairabi-Sairang railway line will prove to be a lifeline for Mizoram. It will boost tourism in the region and ensure year-round connectivity. This will boost the state's economy, as the project will also transport freight in addition to passengers. Being a border state, this project also holds strategic importance. Currently, reaching Aizawl requires either air travel or a six-hour arduous mountain journey from Silchar in Assam's Barak Valley. The road is often closed during the rainy season due to landslides. Keeping in mind the strategic importance of the Northeast, the Modi government has embarked on an ambitious plan to connect the capitals of all the northeastern states with a railway network. Under these projects, more than 1,500 kilometers of tracks will be laid. Many of these projects are in various stages of implementation. Arunachal Pradesh and Tripura have already been connected to the railway network. By December this year, rail will reach Imphal, the capital of Manipur. Work is underway to connect Kohima, the capital of Nagaland, to the rail network by 2026. Work on the project to connect Sikkim to the railway network is also progressing rapidly. Surveys have begun for laying a broad-gauge line from Gangtok, the capital of Sikkim, to Nathula on the Tibet border. Since 2014, 1,824 kilometers of new railway lines have been laid in Northeast India, which is more than the entire rail network of Sri Lanka. In addition, armor protection systems are being installed on 1,189 kilometers of route. Under the Amrit Bharat Station Scheme, 92 railway stations in the region were redeveloped. Electrification of all railway lines in the Northeast is expected to be completed by December 2025. The government is spending ?75,000 crore to lay new railway lines, double railway lines, and enhance connectivity across the Northeast. This includes laying 13 new railway lines and doubling five. During the UPA regime, between 2009 and 2014, the government approved 333 kilometers of new railway lines in the Northeast, with an annual average of 66.6 kilometers. In contrast, between 2014 and 2024, the Modi government laid 1,728 kilometers of new railway lines in the Northeast, with an annual average of 172.8 kilometers. Clearly, the Modi government has laid new railway lines in the Northeast at more than double the pace compared to the period from 2009 to 2014. While an average of ?2,122 crore was sanctioned annually for infrastructure and security in the Northeast between 2009 and 2014, this amount increased to ?10,376 crore in 2024-25. It should not be overlooked that, like roads, railways are also a vehicle for development.

# रंग-बिरंगी झालरों से सजाए मंदिर, पूजा के लिए लगी कतारें

शारदीय नवरात्र सोमवार से शुरू हो गए। सुबह से ही मंदिरों में पूजा पाठ करने के लिए कतारें लगी रही। सभी जगहों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है।मुरादाबाद के विभिन्न मंदिरों व घरों में मातारानी के दरबार सजे हुए हैं। नौ दिनों तक मातारानी के दरबारों में भजन-कीर्तन होगा। मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था पर भी ध्यान दिया गया है। कालीमाता मंदिर लालबाग, मनोकामना मंदिर रेलवे कॉलोनी, प्राचीन दुर्गा माता मंदिर लाइनपार में खास तैयारियां की गई हैं। काली माता मंदिर को दिल्ली से मंगाए गए दो हजार क्विंटल चंपा, चमेली और गुलाब के फूलों से सजाया गया।मंदिर को सजाने के लिए 25 कर्मचारी लगाए गए। मंदिर पर फूलों से जय माता दी लिखा गया है। इसमें लगी रंग-बिरंगी लाइटें मंदिर को आकर्षक बना रही हैं। मंदिर के महंत सज्जन गिरी ने बताया कि मंदिर सुबह चार बजे खोल दिया जाएगा। सुबह पांच और रात आठ बजे आरती होगी। सप्तमी और अष्टमी पर मंदिर में भीड़ रहने से रात की आरती का समय बदल सकता है।देर रात तक बाजार में रौनक- सोमवार से शुरू हुए नवरात्र को लेकर शहर के बुध बाजार, बर्तन बाजार समेत अन्य बाजार गुलजार हैं। रविवार देर रात तक लोगों ने पूजन सामग्री खरीदी। मां दुर्गा की मूर्ति स्थापित करने के लिए श्रद्धालु दुकानों पर अपनी पसंद तलाशते रहे। व्रत के लिए फलाहार और अन्य खाद्य सामग्री की खरीदारी करते दिखे। अमरोहा गेट समेत प्रमुख चौराहों पर रविवार को श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली है।गंज बाजार, टाउनहॉल, चौमुखापुल, जीएमडी रोड, बुध बाजार, मंडी चौक, गुरहट्टी, राम गंगा विहार आदि बाजारों में पूजन सामग्री, किराना, फलों के साथ ही कपड़ों की दुकानों पर लोगों ने जरूरी सामग्री की खरीदारी की। बाजार में जगह-जगह पूजन सामग्रियों और सजावटी सामान की दुकानें सजी हैं।माता की चुनरी, श्रृंगार के सामान, पोशाक और पूजा की सामग्री की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ दुकानों पर नजर आई। उधर, नवरात्र से एक दिन पहले मंदिरों और घरों में साफ-सफाई की गई। शहर के मंदिरों में पिछले कई दिनों से नवरात्र को लेकर तैयारियां चल रही थी।रंग बिरंगी लाइटें भी लगाई गईं- शहर के रेलवे हरथला कॉलोनी में मंदिर की सजावट अग्निशमन कार्यालय से लेकर पुलिस चौकी तक की गई है। साथ ही मंदिर के अंदर रंग-बिरंगे फूल व लाइटें लगाई गई हैं। माता को समर्पित करने के लिए पूजा सामग्री जावित्री, जायफल, नारियल, धूपबत्ती हवन सामग्री अन्य सामान की भी भक्तों ने खरीदारी की।सजावटी सामान बिक्री ज्यादा- बाजार में दिनभर चहल पहल बनी रही और देर रात तक खरीदारी का सिलसिला चलता रहा। जगह-जगह लोग आम के पत्तों और फूलों के छोटे-छोटे स्टॉल लगाकर बैठे नजर आए। इन जगहों पर भी ग्राहकों की भीड़ लगी रही। बर्तन बाजार के दुकानदार विपिन गुप्ता ने बताया कि मंदिरों और घरों की सजावट के लिए झालर, लाइटिंग और मूर्तियों की विशेष डिमांड रही। कटरा बाजार के दुकानदार दीपक शर्मा ने बताया कि सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ लगी रही। सबसे ज्यादा चुनरी और नारियल की बिक्री हुई है। गंज बाजार के व्यापारी संजय अग्रवाल ने कहा कि इस बार माता की मूर्तियां, श्रृंगार और थालियों की डिमांड पिछले वर्षों से कहीं अधिक है।लोगों ने फलहार भी खरीदा बाजार में व्रत के दौरान खाये जाने वाले खलहार की भी खूब बिक्री हुई। इस दौरान लोगों ने कुट्टू के आटे, मखाने, मूंगफली आदि की खरीदारी की। इसके अलावा बाजार में प्रसाद बनाने के लिए सामग्री, बताशे, कुट्टू आटा, चुनरी, नारियल, लौंग, सुपारी, जायफल खरीदा देर शाम तक लोगों ने खरीदारी की। सोमवार को घरों व मंदिरों में कलश स्थान के साथ शारदीय नवरात्र की शुरुआत हो जाएगी।काली मंदिर में मिलेंगे पंचगव्य उत्पाद-शारदीय नवरात्र की शुरुआत के साथ ही नगर निगम ने शहरवासियों के लिए एक नई पहल की है। इस बार पूजा-अर्चना में प्रयोग होने वाले पारंपरिक उत्पादों के साथ-साथ पंचगव्य से बने दीये, धूपबत्तियां, घी और दही भी आसानी से उपलब्ध होंगे। इन उत्पादों के स्टॉल काली मंदिर और पंचायत भवन परिसर में लगाए गए हैं।यहां से श्रद्धालु इन्हें खरीद सकते हैं। निगम के अधिकारियों के अनुसार पंचगव्य उत्पादों का प्रयोग न केवल धार्मिक दृष्टि से शुभ है बल्कि घरों के वास्तु दोष को दूर करने और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने में भी सहायक माना जाता है। विशेषकर नवरात्र के दिनों में पंचगव्य से बने दीयों और धूपबत्तियों का प्रयोग मां दुर्गा की उपासना को और अधिक पवित्र व फलदायी बनाता है।कान्हा गोशाला में तैयार किए हैं उत्पाद = कान्हा गोशाला में तैयार किए गए ये उत्पाद पूरी तरह प्राकृतिक और पर्यावरण के अनुकूल हैं। गोबर से बने दीये जलने के बाद प्रदूषण नहीं फैलाते बल्कि वातावरण को शुद्ध करने का काम करते हैं। आयुर्वेद में पंचगव्य (गोबर, गोमूत्र, दूध, दही और घी) के औषधीय महत्व को भी रेखांकित किया गया है।नगर आयुक्त ने शहरवासियों से अपील की है कि नवरात्र के अवसर पर स्थानीय स्तर पर बने इन पंचगव्य उत्पादों का अधिक से अधिक प्रयोग करें। उनका कहना है कि इससे न केवल पूजा-अर्चना का महत्व बढ़ेगा बल्कि गोशाला और स्थानीय उत्पादकों को भी आर्थिक मजबूती मिलेगी।

# बेगुनाह पेंटर का कत्ल... क्राइम पेट्रोल देख स्वाति ने लिखी पटकथा, ये था मकसद; लवर की गिरफ्तारी से खुद फंसी

मुरादाबाद में हुए पेंटर योगेश हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने मुठभेड़ में आरोपी मनोज और उसके रिश्तेदार मंजीत को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि मनोज की प्रेमिका स्वाति ने ही परिवार को फंसाने के लिए हत्या की साजिश रची थी। क्राइम पेट्रोल देखकर बनी इस साजिश में बेगुनाह योगेश की जान चली गई।मुरादाबाद के पाकबड़ा में मुठभेड़ में पुलिस ने पेंटर योगेश हत्याकांड के आरोपी मनोज और उसके रिश्तेदार मंजीत को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पैर में गोली लगी है। पूछताछ में पता चला कि मनोज की प्रेमिका स्वाति ने अपने ही परिवार वालों को हत्या के केस में फंसाने के लिए यह साजिश रची थी। इस साजिश की भेंट बेगुनाह योगेश चढ़ गया। इंटर तक पढ़ी स्वाति ने क्राइम पेट्रोल सीरियल देखकर हत्या की यह पटकथा तैयार की थी लेकिन प्रेमी की गिरफ्तारी के बाद अपने बिछाए हुए जाल में खुद फंस गई। थाना इलाके के गुरेठा गांव निवासी पेंटर योगेश का शव बृहस्पतिवार की सुबह गांव से डेढ़ किलोमीटर दूर मौढ़ा तैय्या स्थित कब्रिस्तान के पास मिला था।योगेश के भाई उमेश ने गांव के ही शोभाराम और उसके बेटे गौरव व कपिल पर हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पाकबड़ा पुलिस ने गहनता से जांच शुरू की तो योगेश के मोबाइल से मिली कॉल डिटेल और घटनास्थल के आसपास की परिस्थितियां किसी अन्य दिशा की तरफ इशारा कर रही थीं। सीसीटीवी फुटेज से कुछ अहम जानकारियां मिलीं। जांच में मनोज और मंजीत का नाम सामने आया। रविवार देरशाम पुलिस को सूचना मिली कि दोनों आरोपी नया मुरादाबाद में छिपे हैं। पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी की। खुद को घिरा देखकर मनोज और मंजीत ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मनोज के दाहिने पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने हत्याकांड की मास्टरमाइंड स्वाति को भी गिरफ्तार कर लिया।थाना प्रभारी योगेश कुमार के मुताबिक स्वाति ने ही योगेश हत्या कराकर अपने पूरे परिवार को फंसाना चाहती थी। वह अपने परिवार को जेल भेजकर मनोज से शादी करना थी। पेंटर योगेश से उनकी कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी। वह उनकी क्रूरतम योजना का एक दुर्भाग्यपूर्ण शिकार हो गया।पाकबड़ा थानाक्षेत्र के गुरेठा गांव निवासी पेंटर योगेश कुमार की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस जघन्य अपराध के पीछे एक चौंकाने वाला सच सामने आया है यह हत्या प्रेम और धोखे की एक ऐसी खौफनाक साजिश थी, जिसे एक युवती ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अंजाम दिया था।इस साजिश का मकसद अपने परिवार वालों को जेल भेजकर अपनी मर्जी से शादी करना था। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी मनोज, उसका साथी मंजीत और साजिशकर्ता युवती स्वाति को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान मनोज पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया है।पिता और भाई शादी में आ रहे थे आड़े  गुरेठा निवासी स्वाति की गांव कें सैलून चलाने वाले मनोज से नजदीकियां थी। दोनों शादी करना चाहते थे। लेकिन उसके पिता और दोनों भाई शादी में बाधक बन रहे थे। इसके बाद स्वाति ने मनोज के साथ मिलकर परिवार वालों को रास्ते से हटाने योजना बनाई। उसने क्राइम पेट्रोल देखकर साजिश रची। इसके तहत गांव के किसी व्यक्ति की हत्या कर पिता और भाइयों को उसी केस में फंसाने की योजना बनाई गई।निर्दोष योगेश बना साजिश का शिकार पुलिस के मुताबिक योजना को अंजाम देने के लिए मनोज ने अपने दोस्त एवं रिश्तेदार मंजीत को मोहरा बनाया। मनोज और मंजीत बुधवार की देर शाम को गांव से बाहर मौढ़ा तेहिया में गागन नदी के घाट पर पहुंचे। वहां दोनों किसी राहगीर का इंतजार करने लगे। उनका इरादा किसी भी ऐसे व्यक्ति की हत्या करना था जो गुरेठा गांव का निवासी है, ताकि आसानी से उसका इल्जाम स्वाति के परिवार पर मढ़ सकें।दुर्भाग्यवश, उसी समय गुरेठा का रहने वाला पेंटर योगेश कुमार उधर से गुजर रहा था। योगेश की किसी से कोई विवाद या दुश्मनी नहीं थी। मनोज और मंजीत ने योगेश को रोक लिया और ईंटों से कूच कूंचकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी।योगेश की हत्या के बाद मनोज ने योगेश के ही मोबाइल से पुलिस को फोन किया और कहा कि गांव के रहने वाले स्वाति के भाई गौरव, कपिल और शोभाराम उसे पीट-पीटकर मार रहे हैं। यह सब स्वाति के परिवार को फंसाने की साजिश का ही हिस्सा था। पुलिस ने इस मामले में स्वाति के पिता और भाई के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।तीनों आरोपी कम पढ़े लिखे हैं। प्रेमिका ने शादी के लिए हत्या में परिवार को फंसाने की साजिश रची थी। सोमवार को पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।- सतपाल अंतिल एसएसपी मुरादाबाद

# शारदीय नवरात्र के पहले दिन श्रद्धालुओं ने मां शैलपुत्री की पूजा

शारदीय नवरात्र के पहले दिन क्षेत्र के देवी मंदिरों में सोमवार की सुबह से ही श्रद्धालुओं का आवागमन शुरू हो गया। व्रत रखकर देवी भक्तों ने विधिवत मां शेरावाली के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना कर मन्नतें मांगी। इस दौरान मंदिरों में भीड़ लगी रही। नवरात्र के प्रथम दिन से ही क्षेत्र का माहौल भक्तिमय रहा। श्रद्धालुओं ने सुबह स्नान के बाद घरों में घट स्थापना कर माता का दरबार सजाया। इसके बाद घी, दूध, शहद, नारियल, तिल, धूप, फल, फूल आदि सामग्री से मां के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की। नगर के गंगा प्याऊ मंदिर के अलावा बस्ती में स्थित चामुंडा देवी मंदिर, ललिता देवी मंदिर, स्टेशन रोड स्थित शिव मंदिर समेत कई मंदिरों में दिनभर माता के भजन गूंजते रहे। ग्रामीण इलाके के मंदिरों में भी देवी भक्त पूजा-अर्चना करते दिखाई दिए। भक्तों ने कतारों में खड़े रहकर मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की।

## संक्षिप्त समाचार

### पांच हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया क्लर्क, एंटी करप्शन की कार्रवाई, शिक्षक से मांगी थी रकम

बेसिक शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने रविवार को कार्रवाई की। टीम ने लेखाधिकारी कार्यालय में तैनात क्लर्क देवीदीन को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथों गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, भायपुर के शिक्षक स्वराज सिंह ने एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि चयन वेतनमान लगाने के नाम पर क्लर्क देवीदीन उनसे पांच हजार रुपये की मांग कर रहा है। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए एंटी करप्शन की टीम ने योजना बनाई और शिक्षक को रिश्वत की रकम के साथ क्लर्क के पास भेजा।जैसे ही क्लर्क ने पैसे लिए, टीम ने मौके पर दबिश देकर उसे दबोच लिया। कार्रवाई दांग स्कूल स्थित लेखाधिकारी कार्यालय में की गई। क्लर्क देवीदीन के पास से रिश्वत की रकम भी बरामद कर ली गई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को थाने ले जाया गया, जहां उससे पूछताछ की गई। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने आरोपी क्लर्क के खिलाफ नागफनी थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कराया है। टीम अब आरोपी की संपत्ति और अन्य मामलों की भी जांच करेगी। इस कार्रवाई के बाद बेसिक शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है।

### लापरवाही में ठाकुरद्वारा सीओ-थाना प्रभारी हटाए, कुंदरकी के थाना प्रभारी को छजलैट भेजा

एसएसपी सतपाल अंतिल ने जिले में फेरबदल करते हुए तीन सीओ और तीन थाना प्रभारियों को बदल दिया है। लापरवाही के आरोप में सीओ ठाकुरद्वारा गौरव कुमार त्रिपाठी को हटाकर सीओ कार्यालय की जिम्मेदारी दी गई है। थाना प्रभारियों में जसपाल सिंह ग्वाल को कुंदरकी, संजय पांचाल को ठाकुरद्वारा और प्रदीप कुमार सहरावत को छजलैट भेजा गया है।एसएसपी सतपाल अंतिल ने जिले के तीन सीओ और तीन इंस्पेक्टरों को इधर से उधर किया है। आरोप है कि ठाकुरद्वारा सीओ और थाना प्रभारी लापरवाही के आरोप में हटाए गए हैं। एसएसपी सतपाल अंतिल ने रविवार को समीक्षा के आधार पर सीओ ठाकुरद्वारा गौरव कुमार त्रिपाठी को सीओ कार्यालय/जनशिकायत/यूपी-112 और सीओ यातायात की जिम्मेदारी सौंपी है। ठाकुरद्वारा सर्किल में सीओ कांठ आशीष प्रताप सिंह को तैनाती दी गई है। सीओ राजेश कुमार तिवारी को सीओ मुख्यालय और न्यायालय संबंधी कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी है। इसी तरह थाना प्रभारी ठाकुरद्वारा जसपाल सिंह ग्वाल को वहां से हटाकर कुंदरकी का थाना प्रभारी बनाया गया है।इसी प्रकार थाना प्रभारी छजलैट संजय पांचाल को ठाकुरद्वारा थाने की जिम्मेदारी दी गई है। थाना प्रभारी कुंदरकी प्रदीप कुमार सहरावत को छजलैट का थाना प्रभारी बनाया गया है। इस बारे में एसएसपी ने बताया कि समीक्षा के दौरान सीओ ठाकुरद्वारा की लापरवाही प्रकाश में आई थी लेकिन यह मामला गोकशी वाले सपा नेता से नहीं जुड़ा है। अन्य मामलों में लापरवाही प्रकाश में आई थी। तीनों थाना प्रभारियों को समायोजित किया गया है। गोकशी के मामले में पुलिस की कार्रवाई से साधु संतुष्ट नहीं - ठाकुरद्वारा के शिवनगर पत्थर खेड़ा में 25 जुलाई को हुए गोकशी के मामले में पुलिस की कार्रवाई से साधु-संत और हिंदू संगठन संतुष्ट नहीं है। इस मामले में प्रमुख रूप से सक्रिय शिवनगर मंदिर के महंत बच्चा बाबा ने बताया कि साधु संतों और हिंदू संगठनों की एक बैठक हुई है। जिसमें पुलिस की इस मामले में की गई कार्रवाई पर चर्चा की गई। जिसमें उपस्थित लोगों ने कहा कि पुलिस ने गोकशी के मामले में की गई कार्रवाई में लापरवाही की है। 25 जुलाई को सुबह 9ः35 पर घटना को दिखाया गया है जबकि यह घटना सुबह लगभग 4ः00 बजे की थी। जिसके सबूत उनके पास है। इसमें एक आरोपी ने अपने बचाव के लिए अपनी लोकेशन 9ः30 बजे सीसीटीवी कैमरे में दिखाई है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

# बरेली पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 2 तस्कर गिरफ्तार, 3 फरार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना बारादरी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने छापेमारी कर दो शातिर तस्करों

को गिरफ्तार किया, जबकि तीन आरोपी मौके से फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 900 ग्राम अफीम, 200 ग्राम अवैध स्मैक और 3.5 किलो पाउडर बरामद हुआ, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 60 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा पुलिस ने एक मोटरसाइकिल, 94 हजार रूपये, एक स्कूटी और 5 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साजिद और रेहान के रूप में हुई है। वहीं, नन्हे, रोहित और आरिफ नामक आरोपी फरार हो गए हैं, जिनकी तलाश जारी है।पकड़े गए तस्करों से पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं। पुलिस का कहना है कि इनका एक संगठित नेटवर्क है, जो बरेली के अलावा झारखंड व अन्य जगह तक फैला हुआ है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है।

# चकबंदी विभाग का बाबू रिश्वत लेते गिरफ्तार, एंटी करप्शन टीम ने धरदबोचा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सदर तहसील के गेट पर सोमवार दोपहर एंटी करप्शन टीम ने चकबंदी दफ्तर के बाबू राजीव मित्तल को हाथ गिरफ्तार कर के दौरान बाबू को कुछ लोग मौके जिससे तहसील मच गया। एंटी

रिश्वत लेते हुए रंगे लिया। गिरफ्तारी छुड़ाने के लिए पर पहुंच गए, गेट पर हंगामा करप्शन टीम के अनुसार बाबू राजीव मित्तल निवासी सुभाषनगर के खिलाफ कुछ समय पहले भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। उसने भरतौल गांव निवासी जितेंद्र से तूदाबंदी यानि नक्शा दुरुस्तीकरण के नाम पर 5000 मांगे थे। अधिकारियों ने टीम को निर्देशित किया और बाबू को ट्रैप करने की योजना बनाई गई। शिकायतकर्ता दोपहर करीब 12 बजे जब बाबू को रिश्वत देने पहुंचा, तभी टीम आ गई। राजीव मित्तल रिश्वत लेने के लिए तहसील गेट पर मौजूद था। जैसे ही उसने रुपये लिए, एंटी करप्शन टीम ने उसे तुरंत पकड़ लिया। गिरफ्तारी के समय मौके पर मौजूद लोगों ने बाबू को छुड़ाने का प्रयास किया, लेकिन टीम की तत्परता के कारण वे पीछे हट गए। काफी मशक्कत के बाद आरोपी को पकड़कर थाने ले जाया, जहां उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पीड़ित और कितने रूपये लिए जा रहे थे, एंटी करप्शन टीम जल्द ही इसका प्रेस नोट जारी करेगी।

# कलेक्टर गेट पर धरने पर बैठे अधिवक्ता

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / अधिवक्ता समाज के सम्मान और सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं बरेली । बनारस में

हुई घटना ने बरेली के अधिवक्ता समाज को झकझोर दिया है। सोमवार को सैकड़ों अधिवक्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिला अधिकारी कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया। अधिवक्ताओं का कहना है कि प्रशासन की उदासीनता बर्दाश्त से बाहर है। प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं ने जोर देकर कहा कि बनारस की घटना पूरे अधिवक्ता समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है और इसके खिलाफ आवाज उठाना जरूरी है। अधिवक्ता कलेक्ट गेट पर धरने पर बैठे हैं और साफ कह रहे हैं कि जब तक डीएम साहब स्वयं ज्ञापन लेने नहीं आएंगे, तब तक उनका धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। कलक्ट्रेट परिसर में अचानक इतनी बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं के जुटने से माहौल तनावपूर्ण हो गया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया, जिसमें सीओ आशुतोष शिवम और कोतवाली इंस्पेक्टर अमित पांडे भी शामिल हैं। पुलिस लगातार अधिवक्ताओं को शांत करने की कोशिश कर रही है, लेकिन वे अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन ने उनकी मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उनका कहना है कि अधिवक्ता समाज के सम्मान और सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं करेगा।

# डीएम ने आगामी पर्व एवं त्यौहारों को लेकर की बैठक

## शांति व्यवस्था को खराब करने की कोशिश करने वालों के साथ प्रशासन रहेगा सख्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली- जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में आज दुर्गा पूजा, दशहरा, दीपावली आदि त्यौहारों पर कानून एवं शांति में पीस कमेटी की बैठक विकास हुई। आगामी त्यौहारों को लेकर के बारे में जानकारी ली गयी और समस्याओं के निराकरण के निर्देश ने विगत समस्त त्यौहारों/आयोजनों वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु करते हुए कहा कि जनपद के प्रत्येक नागरिक की है, आप सब मुस्तैदी से कार्य करते रहे और यदि उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाए, कि मा0 प्रधानमंत्री जी ने जीएसटी त्यौहारों को उत्सव के साथ मनाने स्वदेशी अपनाने की भी अपील क्षेत्र, सम्प्रदाय वाद को छोड़कर देश की विकास की गति बहुत

व्यवस्था बनाए रखने के सम्बन्ध भवन स्थित सभागार में सम्पन्न क्षेत्रवार लोगों से उनकी समस्याओं सम्बंधित अधिकारियों को दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी को सकुशल व सौहार्दपूर्ण समस्त बरेली वासियों की सराहना विकास की जिम्मेदारी जनपद के सद्भावना के सिपाही हैं इसी कोई समस्या हो तो कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा की दर कम करते हुए आपके की सुविधा दी है इसके साथ ही की गयी है। हम सभी को जाति, राष्ट्रवाद को अपनाना चाहिए। हमारे तेज है पहले कहा जा रहा था कि 2030 तक हम विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनेंगे लेकिन हम 2025 में चौथी अर्थव्यवस्था बन गए हैं और यथा शीघ्र तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि बरेली की शांति व्यवस्था को खराब करने की कोशिश करने वालों को बक्शा नहीं जाएगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक विगत समस्त आयोजनों/त्यौहारों को सकुशल आयोजन हेतु सभी के सहयोग हेतु धन्यवाद देते हुए कहा कि जहां-जहां आयोजन होना हैं रामलीला व दुर्गा पूजा के वहां आयोजकों के वालिंटियर अवश्य रखें, सीसीटीवी कैमरे भी लगवाएं। रामलीला मंचों की सुरक्षा का भी अवश्य ध्यान रखें, आयोजन स्थल पर पानी तथा रेत की व्यवस्था रखें। अश्लील व अशोभनीय कार्यक्रम नहीं होने चाहिए अगर ऐसा कोई कार्यक्रम हुआ तो भविष्य में अनुमति नहीं दी जाएगी। मीटिंग में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 विश्राम सिंह, एसपीसिटी मानुष पारीक, पुलिस अधीक्षक नार्थ, पुलिस अधीक्षक साउथ, एस पी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खान सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# प्रथम नवरात्रि पर घरों-मंदिरों में गूंजे मां शैलपुत्री के जयकारे

## महिलाओं ने मंदिरों और घरों में गाए माता‌रानी के भजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन सोमवार को घरों-मंदिरों में मां शैलपुत्री के स्वरूप की पूजा-अर्चना की गई। पूजन के पड़े। माता के जयकारों से मुहूर्त में श्रद्धालुओं ने घरों में लेकर शाम तक श्रद्धालुओं का लगा रहा। सोमवार को प्रथम कलश की स्थापना की गई। स्थापना करने के साथ अनुष्ठान ने उपवास रखकर दुर्गा सप्तसती का जोड़ा चढ़ाकर मां दुर्गा का

लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ देवालय गूंज उठे। शुभ ब्रह्म कलश स्थापना की। सुबह से मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता नवरात्रि पर सुबह सबसे पहले वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश का संकल्प लिया। श्रद्धालुओं का पाठ किया। हवन में लौंग मंत्रोच्चार करते हुए आहुतियां समर्पित कीं। श्रद्धालुओं ने नोदेवी माता मंदिर साहूकारा, काली माता मंदिर कालीबाड़ी, चौरासी घंटा मंदिर सुभाष नगर, मनोकामना मंदिर सहित शहर के विभिन्न मंदिरों में व्रत धारियों ने पूजा अर्चना की। वहीं महिलाओं ने माता‌रानी छन्द गाए। श्रद्धालुओं ने मां को चुनरी, ध्वजा, नारियल, मिष्ठान, मेवा, फल, फूल भेंटकर धूप-दीप जलाकर पूजन किया। पूजा करने के साथ श्रद्धालुओं ने मां से मनौती मांगी। विद्वानों का मानना है कि शैलपुत्री की पूजा करने से साधक को संतान वृद्धि, धन व ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। मां मनोकामनाएं पूरी करती हैं।

## ड्यूटी के प्रति सजग ,ईमानदार एसपी सिटी मानुष पारीक का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर में तैनात तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी और एसपी सिटी मानुष पारिक का जन्मदिन सोमवार को पत्रकारों ने बड़ी गर्मजोशी के शुभकामनाएँ दीं और कहा-हैप्पी बर्थडे एसपी मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे। एसपी सिटी स्वभाव के कारण पत्रकारों में बेहद लोकप्रिय पत्रकारों ने न सिर्फ बधाइयाँ दीं बल्कि बना जन्मदिन की शुभकामनाएँ पाकर एसपी जताया। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का का काम करते हैं। इस अवसर पर उन्होंने सभी के सहयोग और स्नेह के लिए धन्यवाद दिया ।

साथ मनाया। पत्रकारों ने एसपी सिटी को सिटी साहब। इस मौके पर बड़ी संख्या में मानुष पारिक अपनी कार्यशैली और सौम्य हैं। यही वजह रही कि जन्मदिन के मौके पर जमकर फोटो खिंचाई और खुशनुमा माहौल सिटी मानुष पारिक ने पत्रकारों का आभार आईना हैं और प्रशासन व जनता के बीच सेतु

# कलेक्टर ने मुख्यमंत्री के संभावित दौरे की तैयारियों की समीक्षा

## सभी अधिकारी सौंपे गए कार्यों के अनुसार तत्काल तैयारी करें - कलेक्टर

क्यूँ न लिखूँ सच / राज शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में आज जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में अंतर-विभागीय बैठक में आगामी मुख्यमंत्री डॉ. दौरे (27 सितम्बर) की तैयारियों जिला पंचायत के मुख्य अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर उपस्थित रहे।कलेक्टर श्री चौधरी आवश्यक कार्यों की जानकारी ली के भूमिपूजन, लोकार्पण एवं की तैयारियों में कोई कमी न

समन्वय बैठक आयोजित की गई। मोहन यादव के संभावित करैरा की समीक्षा की गई। बैठक में कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, एसडीएम शिवपुरी आनंद राजावत, एवं अन्य जिला अधिकारी ने अधिकारियों को सौंपे गए और निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों हितग्राहियों के हितलाभ वितरण रहे। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कार्यक्रम स्थल पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाने तथा मंच व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं समारोह से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आगामी मुख्यमंत्री समाधान ऑनलाइन से पूर्व ही सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का निराकरण किया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को लंबित शिकायतों को शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। विशेषकर, राजस्व विभाग की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने और अधिकारियों के कार्य-प्रदर्शन में सुधार लाने पर जोर दिया। कलेक्टर श्री चौधरी ने कहा कि प्रशासनिक अमला समन्वय के साथ कार्य कर मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को सफल बनाए।

## सेवा पर्व के अंतर्गत वन विद्यालय शिवपुरी में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदान शिविर सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / राज शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। सेवा पर्व के अवसर पर सोमवार को वन विद्यालय शिवपुरी में मेदांता फाउंडेशन के सौजन्य से निःशुल्क जनरल सफल आयोजन किया गया। यह सुधांशु यादव एवं अनुदेशक हुआ। कैंप में 180 कर्मचारियों, वॉ के प्रशिक्षुओं का मेदांता स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ

मेडिकल चेकअप एवं रक्तदान शिविर का आयोजन वन विद्यालय के संचालक आदित्य शांडिल्य के मार्गदर्शन में सम्पन्न उनके परिजनों तथा वनरक्षक सत्र 122 फाउंडेशन की चिकित्सक टीम द्वारा संपूर्ण ही ब्लड बैंक, डिपार्टमेंट ऑफ पैथोलॉजी, श्रीमंत राजमाता विजयराजे सिंधिया मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल शिवपुरी द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 25 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। रक्तदान करने वाले दाताओं को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि सेवा पर्व की भावना को भी सार्थक करते हैं। वन विद्यालय शिवपुरी प्रशासन एवं मेदांता फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से यह शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

# दिशा पाटनी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बरेली पुलिस अलर्ट मोड पर.

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली/मुंबई । फिल्म अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर हुई फायरिंग की गूंज अब मुंबई तक पहुंच गई है। बरेली पुलिस ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए न केवल आरोपियों को पकड़ा बल्कि मुंबई पुलिस को भी इसकी विस्तृत जानकारी भेज दी है। एसएसपी बरेली अनुराग आर्य ने बताया कि घटना और पुलिस कार्रवाई का विवरण मुंबई पुलिस को पत्र के जरिए भेजा गया है। इसके साथ ही मुंबई में दिशा पाटनी को सुरक्षा के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया भी बताई गई है। गौरतलब है कि 11 और 12 सितंबर को बरेली के चौपुला पुल के पास स्थित दिशा पाटनी के घर पर अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की थी। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गाजियाबाद में मुठभेड़ में मार गिराया था, जबकि दिल्ली से दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा शाही क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान दो अन्य बदमाशों को भी पकड़ा गया। फिलहाल चौपुला स्थित अभिनेत्री के आवास पर पुलिस बल की तैनाती जारी है। यहां सशस्त्र गार्ड, गनर और पिकेट सुरक्षा के इंतजाम के तहत तैनात किए गए हैं। वहीं, मुंबई पुलिस का कहना है कि वे मामले पर सतर्क हैं और दिशा पाटनी की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं।एसएसपी अनुराग आर्य ने यह भी बताया कि दिल्ली में गिरफ्तार दोनों नाबालिग आरोपियों को रिमांड पर लेने के लिए सोमवार को कोर्ट में आवेदन किया जाएगा। रिमांड मिलने के बाद उन्हें बरेली लाकर पूछताछ की जाएगी, जिससे घटना से जुड़े और पहलुओं पर जानकारी मिल सके।

# बरेली ने मुरादाबाद को जूनियर बालिका स्टेट फुटबॉल में 2-0 से हराया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आगामी 28 सितंबर तक आगरा में खेली जा रही जूनियर बालिका स्टेट फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच बरेली मंडल व मुरादाबाद मंडल के बीच हुआ। खेल के 23वें मिनट में नैंसी के पास पर मानवी ने गोल कर बरेली का खाता खोलते हुए 1-0 से बढ़त दिलाई। हाफ टाइम तक स्कोर 1-0 से बरेली की बढ़त रही। हाफ टाइम के बाद मुरादाबाद की टीम ने कई अच्छे मूव बनाए, लेकिन डिफेंडर महिमा ने अपनी मौजूदगी दिखा मुरादाबाद के सभी आक्रमण फेल कर दिए। इसी बीच वंशिका व एलिमा ने तालमेल दिखाया और अपने हाफ से लेकर बाल मुरादाबाद के पैनाल्टी एरिया में लाकर मानवी को दिया जिसने बगैर गलती फुटबॉल को गोल में डालकर स्कोर 2-0 करके टीम को बढ़त दिलाई। अंत में मुरादाबाद को बरेली मंडल की टीम ने 2-0 से हराया। टीम कोच कसक ने खुशी जाहिर की। बरेली फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव मून रौबिंसन, अध्यक्ष अमरजीत सिंह बक्शी, देवेंद्र तिवारी, मंजूर हसन, लवी रौबिंसन, पास्टर संजय पाल आदि ने टीम के सभी खिलाड़ियों व कोच को बधाई दी।

# आई लव मुहम्मद लिखे पोस्टर हटवाने पर भड़के आईएमसी नेता

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आई लव मुहम्मद लिखे बैनर पोस्टर हटवाने पर लोगों की पुलिस से तकरार हो

गई। शहर के किला थाना क्षेत्र में रविवार को थाना प्रभारी सुभाष कुमार टीम के साथ पहुंचे थे। उन्होंने आई लव मुहम्मद लिखे पोस्टर हटाने की बात कही, जिसका मुस्लिम समाज के लोगों ने विरोध किया। पुलिस से तकरार के बाद मौलाना तौकीर रजा खान की पार्टी इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के नेता डॉ. नफीस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में डॉ. नफीस कह रहे हैं कि मैंने इंस्पेक्टर को कह दिया कि हाथ काट लूंगा... वर्दी उतरवा दूंगा। यह वीडियो के वायरल होने के बाद किला थाना पुलिस ने डॉ. नफीस के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

# महादेव की काशी में शक्ति की आराधना, दुर्गा पूजा की शुरुआत के साथ घुलने लगा बंगाल का रंग

बनारस में आज छह जगहों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं विराजमान होंगी। काशी में दुर्गा पूजा की शुरुआत करने का श्रेय भी बंगाली परिवार को ही जाता है। शिव की नगरी में दस दिवसीय शक्ति की आराधना का महापर्व आज से शुरू हो गया है। शहर में छह जगहों पर माता की प्रतिमाएं विराजमान कराई जा रही हैं। दुर्गा पूजा की शुरुआत के साथ ही बनारस में बंगाल का रंग घुलने लगा है। काशी में दुर्गा पूजा की शुरुआत करने का श्रेय भी बंगाली परिवार को ही जाता है। मित्रा परिवार ने ही शारदीय नवरात्र में बनारस को शक्ति की आराधना का मंत्र दिया था। 22 सितंबर को पूरे प्रदेश की पहली नौ दिवसीय दुर्गा पूजा की शुरूआत 56वें साल टाउनहॉल में होगी। 55 साल पुरानी सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति की ओर से प्रतिपदा पर माता की प्रतिमा को विराजमान कराया जाएगा। इसके साथ ही शारदा विद्या मंदिर गायघाट, श्री श्री दुर्गा समिति नवापुरा, एसबी दुर्गोत्सव समिति सुड़िया, श्री दारानगर दुर्गा पूजा समिति और बड़ा गणेश पर माता की प्रतिमाएं विराजमान होंगी। काशी में बंगाली ड्योढ़ी से शारदीय नवरात्र में दुर्गा पूजा की शुरुआत 251 साल पहले हुई थी। पूरे जिले में 512 से अधिक प्रतिमाएं विराजमान कराई जाती थीं।नवरात्र की प्रतिपदा के अलावा षष्ठी तिथि पर शहर के सभी पूजा पंडालों में माता की प्रतिमाएं विराजमान हो जाएंगी। बंगीय पूजा पंडालों में षष्ठी तिथि पर मूर्तियों के पहुंचने के साथ ही घट स्थापन, बोधन, आमंत्रण व अधिवास के अनुष्ठान कराए जाएंगेकलश स्थापना के लिए चार घंटे का अमृत मुहूर्त- महाशक्ति की उपासना का महापर्व शारदीय नवरात्र आश्विन शुक्ल प्रतिपदा यानी सोमवार से शुरू हो गया है। चतुर्थी तिथि में बढ़ोतरी होने के कारण इस बार नवरात्र 10 दिनों का होगा। महाअष्टमी का व्रत 30 सितंबर को रखा जाएगा। इस बार कलश स्थापना के लिए चार घंटे का अमृत मुहूर्त मिला है। ऐसे में सुबह से मंदिरों से लेकर घरों तक शुभ मुहूर्त में घट स्थापना की जा रही है। माता का आगमन, गमन और तिथि में बढ़ोतरी, सभी शुभदायक हैं। ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी ने बताया कि आश्विन शुक्ल प्रतिपदा यानी 22 सितंबर को कलश स्थापना सुबह छह बजे से की जा रही है। इस बार अभिजित मुहूर्त दिन में 11:33 बजे से 12:23 बजे तक है। कलश स्थापना के लिए अमृत मुहूर्त सुबह छह से आठ बजे तक और सुबह 8:30 बजे से 10:30 बजे तक रहा। इस बार माता का आगमन हाथी पर हुआ, जिसका फल अधिक वर्षा और माता का गमन मानव के कंधे पर हो रहा। इसका फल अत्यंत लाभकारी व सुखदायक होता है। इस बार माता का आगमन और गमन दोनों अति शुभकारी है। इसके साथ ही आश्विन शुक्ल पक्ष में चतुर्थी तिथि की वृद्धि से यह पक्ष 16 दिनों का है जिससे यह पक्ष भी सुख-समृद्धि और शांति प्रदायक होगा।

# शामली में महाराजा अग्रसेन जी की विशाल प्रतिमा की स्थापना

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली भामाशाह कुल के महाराजा अग्रसैन के वंशज आज यहां एक मंच पर इकट्ठे होकर कार्यक्रम में उपस्थित हुए है। अगसैन जयन्ती वैश्य समाज के आराध्य भगवान महाराजा अग्रसैन की अग्रसैन समाजवाद, जयन्ती के रूप में मनायी जाती है। महाराजा जाते है, उनका समानता और अहिंसा के महान समर्थक माने जयन्ती विशेष रूप जीवन आदर्श और प्रेरणादायी रहा है। अग्रसैन धूमधाम से मनायी से हम अग्रवंशजों, वैश्य समाज द्वारा बडे नवरात्रों का आरम्भ जाती है और इसदिन माता रानी के शारदीय महाराजा अग्रसैन होता है और माता के प्रथम नवरात्र के दिन इस दिन अनेकों की जयन्ती आयोजित की जाती है। समाज द्वारा पूजा-अर्चना व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन-कीर्तन, शोभायात्रा, हमें महाराजा सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। आधार पर चल कर अग्रसैन की नीति '' एक रूपया-एक ईंट'' के वंचितों को अपने आगे बढाना चाहिए और समाज के नि:सहाय व समकक्ष लाने का प्रयत्न करना चाहिए। उक्त उद्गार नगर पालिका परिषद् शामली के चेयरमैन अरविन्द संगल ने मिल रोड स्थित अग्रसैन पार्क पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन रजि0 शामली द्वारा महाराजा अग्रसैन की जयन्ती पर महाराजा अग्रसैन की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर बतौर मुख्यअतिथि व्यक्त किये। चेयरमैन अरविन्द संगल व श्रीमती मीनू संगल द्वारा महाराज की नई भव्य मूर्ति की स्थापना दिवस पर उनके सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर अग्र शिरोमणी महाराजा अग्रसैन की जयन्ती के अवसर पर कुलदेवी माँ लक्ष्मी आह्वान यज्ञ का शुभारम्भ वेदिक पद्यति द्वारा पं0 सुरेशचन्द शास्त्री द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य यज्ञमान अरविन्द संगल व श्रीमती मीनू संगल रहें, उनके द्वारा यज्ञ का आयोजन कराया गया। शहर के सैकड़ों जनमानस द्वारा यज्ञ में आहुति प्रदान की गयी। तत्पश्चात अग्रसैन भगवान व माता लक्ष्मी की आरती के उपरान्त उपस्थित सभी को प्रसाद का वितरण किया गया। महाराज की मूर्ति स्थापना के अवसर पर विशाल भण्डारें का आयोजन अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (रजि0) शामली द्वारा किया गया। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मलेन रजि0 शामली के अध्यक्ष सुधीर सिंघल द्वारा सभी अतिथियों व आगन्तुको का तिलक लगाकर व पटका पहनाकर स्वागत किया गया। चेयरमैन अरविन्द संगल की ओर से कार्यक्रम में शिरकत करने वाले जनसमुदाय को महाराज अग्रसैन जी का बैंच लगाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन विपिन नेता प्रदेश संगठन मंत्री व प्रदेश महामंत्री पवन बजरंगी द्वार संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का संचालन अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन शामली के जिलाध्यक्ष श्री संजय संगल द्वारा किया गया। इस अवसर पर अरविन्द दृष्टा जी महाराज, नगर महामंत्री डॉ0 राजीव बंसल, नगर कोषाध्यक्ष संजय बंसल, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष लाला शिवचरणदास संगल, प्रदेश संगठन मंत्री विपिन नेता व प्रदेश मंत्री पवन बजरंगी, जिला कोषाध्यक्ष वैभव गोयल, सभासद आशीष गुप्ता, सभासद रोबिन गर्ग, सभासदपति पंकज गुप्ता, डॉ0 राजेन्द्र गोयल, भौरीलाल, प्रदीप सिंघल, रविन्द्र गोयल एलजी वाले, अशोक गोयल, सचिन गोयल, सजय ऐरन, मुकेश गर्ग एड, आनन्द गर्ग, डॉ0 मुकुट मोहन संगल, विवेक प्रेमी, डॉ0 सतीश गर्ग, अनुराग जिन्दल, रविकान्त गर्ग, मनोज मित्तल, पवन संगल ठेकेदार, संजय गोयल, रविन्द्र गर्ग, आयुष्मान सिंघल, विजय गुप्ता, अमित मित्तल, संजीव सिंघल, अनिल तायल, अशोक कोरियर, ठेकेदार लोकेन्द्र सिंह, मनीष मित्तल, प्रदीप पुण्डीर, विपिन मित्तल उर्फ मोनू, योगेश कोरियर, मुकेश गोयल गेहूं वाले, अमित पंवार, अरविन्द संगल मेडिकल वाले, श्रवण संगल, पंकज हिन्दुस्तानी, रविन्द्र मित्तल, वैभव प्रकाश गोयल, प्रदीप बंसल, शिव कुमार गोयल, मोहनलाल, सतबीर, मनीष भटनागर, अंकुर गोयल, डॉ अर्जुन वर्मा, अनिल तायल, आदि उपस्थित रहे।

# वाल्मीकि धर्मशाला को कुछ दबंगों ने कब्जा करके दे रखी किराए पर

## धर्मशाला को खाली कब्जा मुक्त करने की डीएम से की मांग अरविंद झंझोट

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली - राष्ट्रीय बाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद झंझोट के नेतृत्व में चौधरी योगेंद्र अजय विश्वकर्मा किसान नेता त्रिकालदर्शी भगवान वाल्मीकि मंदिर सेवा समिति मोहल्ला पंसारियांनं वाल्मिकी कॉलोनी जनपद शामली के वाल्मीकि समाज द्वारा सर्वसम्मति से चुने गए अध्यक्ष मुकेश वाल्मीकि महासचिव जीत कुमार कोषाध्यक्ष अनिल वाल्मीकि नंदू प्रसाद वाल्मीकि विक्की वाल्मीकि सुलेख चंद वाल्मीकि अरुण झंझोट ममता देवी राधा रानी प्रमिला देवी राजेश देवी आदि ने जिलाधिकारी महोदय जनपद शामली को ज्ञापन पत्र सॉफ् क़र बताया कि मोहल्ला पंसारियन वाल्मिकी कॉलोनी जनपद शामली में प्राचीन शिव मंदिर मार्ग पर सरकारी रिक्त पड़ी भूमि में वाल्मीकि दलित समाज के वरिष्ठ नेता अरविंद झंझोट के प्रयास से स्वर्गीय पूर्व कैबिनेट संसदीय कार्य ऊर्जा मंत्री बाबू हुकम सिंह जी की विधायक निधि से वाल्मीकि धर्मशाला बारात घर बनवाया गया था वाल्मीकि धर्मशाला को वाल्मीकि समाज के हितों के लिए एवं वाल्मीकि समाज की बेटियों की शादी विवाह के लिए बनवाया गया था राकेश उर्फ कल पुत्र स्वर्गीय ओमप्रकाश ने 8 वर्षों से धर्मशाला को जबरन कब्जा कर के प्रति माह वाल्मीकि धर्मशाला को ?5000 रुपए प्रति महावर किराए पर मास्टर देवी सिंह को दे रखी है वाल्मीकि धर्मशाला को इससे पूर्व प्रवीण पुत्र स्वर्गीय मांगेराम वाल्मीकि एवं राकेश वाल्मीकि पुत्र स्वर्गीय ओमप्रकाश ने दोनों ने मिलकर जबरन कब्जा कर इससे पहले 8 9 वर्ष तक पूर्व में प्रवीण वाल्मीकि पुत्र मांगेराम वाल्मीकि ने वाल्मीकि धर्मशाला को किराए पर दे रखी थी जबकि मोहल्ला पंसारियन वाल्मिकी कॉलोनी निवासी गणों ने धर्मशाला को खाली करने के लिए इन दोनों को कहा है परंतु यह नहीं माने क्योंकि राकेश वाल्मीकि उर्फ काला के दो पुत्र झगड़ालू एवं दबंगता दिखाते हैं और वाल्मीकि समाज के लोगों में इन लोगों से पुरी कॉलोनी में भव्य व्याप्त है राकेश वाल्मीकि उर्फ काला एवं प्रवीण वाल्मीकि पुत्र स्वर्गीय मांगेराम वाल्मीकि इन लोगों से वाल्मीकि धर्मशाला को एवं मास्टर देवी सिंह से इन तीनों से कब्जा मुक्त कराकर वाल्मीकि समाज की मंदिर कमेटी जो बनी है उसे दिलाई जाए और वाल्मीकि समाज के लोगों ने धर्मशाला को खाली करने की जो आवाज उठाई है अब ये लोग मंदिर कमेटी वालों को धमकी दे रहे हैं और दबंग ता हठ धर्मिता दिखा रहे हैं और मोहल्ला वासीगनो त्रिकालदर्शी भगवान वाल्मीकि मंदिर सेवा समिति एवं मोहल्ला पंसारियन वाल्मीकि कॉलोनी के वाल्मीकि समाज के लोग वाल्मीकि धर्मशाला को जो इन लोगों ने किराए पर दे रखी है इसमे प्रभावी कार्रवाई कराकर वाल्मीकि धर्मशाला को कब्जा मुक्त करने की मांग की है ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय वाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद झंझोट त्रिकालदर्शी भगवान वाल्मीकि मंदिर सेवा समिति नवनिर्वाचित अध्यक्ष मुकेश वाल्मीकि एवं चौधरी योगेंद्र सिंह अजय विश्वकर्मा नंदू प्रसाद वाल्मीकि जीत कुमार अनिल वाल्मीकि अरुण झंझोट विक्की वाल्मीकि राधा रानी ममता देवी प्रमिला देवी राजेश देवी आदि शामिल रहे

## संक्षिप्त समाचार

### चंदौली के सपा सांसद वीरेंद्र सिंह बोले, गरीबों का घर जबरदस्ती उजाड़ना लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं

वाराणसी के टाउन अर्दली बाजार स्थित आवास में प्रेसवार्ता करते हुए चंदौली के सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा कि गरीबों का घर उजाड़ना ठीक नहीं सपा सांसद गरीबों की हड़पने के फ्रेट कॉरिडोर बहिष्कार जबरदस्ती लोकतंत्र के लिए है।चंदौली के वीरेंद्र सिंह ने जमीन जबरदस्ती विरोध में वर्चुअल समारोह का किया। रविवार को टैगोर टाउन अर्दली बाजार स्थित आवास में प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि आप अडानी को इतना पैसा दे सकते हैं तो कम से कम उन गरीबों को जिनको आप विस्थापित कर रहे हैं, जिनका घर उजाड़ रहे हैं, जिनकी जमीनें ले रहे हैं उनको रहने और जीवनयापन की व्यवस्था करिए। यह इस देश के बेहतर लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ये वही जल परिवहन सेवा है, जिसे लगातार कई वर्षों से शुरू किया जा रहा है। जिसकी सफलता एक प्रतिशत भी नहीं है। 4 साल में लगभग 300 टन माल की ढुलाई हुई है, वो भी बाढ़ के समय और बाकी 10 महीने इस जल परिवहन सेवा का संचालन नहीं हो पाएगा, क्योंकि गंगा नदी में पानी ही नहीं रहता। कहा कि कभी-कभी गर्मी के दिन में या हमेशा यह देखा गया है कि गंगा के किनारे लगाए गए पंप कैनाल इसलिए बंद किए जाते हैं क्योंकि गंगा नदी में पानी नहीं होता। ये केवल एक सपना है जिसे प्रधानमंत्री ने देखा है। इस सपने की कीमत में कम से कम 1000 परिवार उजड़ जाएंगे। उन्होंने कहा, इसीलिए मैंने शनिवार को उनके उद्घाटन समारोह के निमंत्रण को ठुकरा दिया और उसका बहिष्कार किया। सपा सांसद ने कहा कि मैं अनुरोध करूंगा कि वे सब गरीब समाज के मल्लाह, अल्पसंख्यक तथा अन्य पिछड़ी जातियों के हमारे साथी हैं। साथ ही साथ भगवान बुद्ध का पवित्र स्थल भी वहां हैं। इसलिए आप उन्हें उजाड़ने की कोशिश न करें। भगवान बुद्ध के पवित्र स्थल को पर्यटक स्थल, गार्डन बनाए। उन सभी गरीबों को जिसे आप उजाड़ रहे हैं उन्हें विस्थापित करें और उनके जमीन के बदले जमीन उपलब्ध कराएं। समारोह में जाना गरीबों के अपमान के बराबर- सपा सांसद ने कहा कि अधिकारियों ने मुझे सूचित किया कि राल्हुपुर, ताहिरपुर, मिल्कीपुर आसपास के गांव से करीब 150 एकड़ जमीन पर फ्रेट कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। जिसका वर्चुअल उद्घाटन होगा। मैंने अधिकारियों से कहा कि गरीबों की जमीन को हड़प कर बिना मुआवजा दिए बनने वाले फ्रेट कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह में जाना गरीबों के अपमान करने के बराबर है। इसलिए मैं उस कार्यक्रम में नहीं जाऊंगा।

### इकलौते बेटे की मौत: चंदौली में सड़क पर खून से लथपथ मिला व्यापारी का शव, हत्या का आरोप, दो घंटे किया चक्काजाम

चंदौली जिले में एक व्यापारी का शव सड़क पर खून से लथपथ मिला। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने सोमवार की सुबह सड़क जाम कर दिया। अधिकारियों को आश्वासन के बाद जाम समाप्त किया। चंदौली जिले के नियामताबाद थाना क्षेत्र के अलीनगर अंतर्गत नदेसर गांव के समीप रविवार देर रात लगभग दस बजे सरने गांव निवासी 27 वर्षीय आशु विश्वकर्मा का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क पर खून से लथपथ मिला। मृतक के सिर पर गंभीर चोटें थीं, जबकि घटनास्थल से कुछ दूरी पर उसकी बाइक खड़ी मिली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया। आशु विश्वकर्मा, सरने गांव निवासी रामनरेश विश्वकर्मा का इकलौता पुत्र था। वह बौरी गांव में इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान चलाता था। रविवार रात करीब सवा नौ बजे दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहा था। इसी बीच रास्ते में उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया।सोमवार की सुबह परिजनों और ग्रामीणों ने हत्या का आरोप लगाते हुए न्याय व आर्थिक सहायता की मांग को लेकर पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर-बबुरी मार्ग पर नदेसर के पास सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शन का नेतृत्व प्रमोद कुमार बिंद व महेंद्र माही कर रहे थे। जाम की सूचना पर थानाध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय, क्षेत्राधिकारी कृष्णमुरारी शर्मा मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन उपजिलाधिकारी को मौके पर बुलाने और परिवार को पट्टा देने पर अड़े रहे। करीब दो घंटे तक चला जाम उस समय समाप्त हुआ, जब अपर पुलिस अधीक्षक अनंत चंद्र शेखर और उपजिलाधिकारी अनुपम मिश्र मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से वार्ता कर परिवार को पट्टा देने और मुख्यमंत्री किसान दुर्घटना बीमा योजना के तहत पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया। घटना स्थल और जाम स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

# करांटे में जिले का स्वर्णिम शौर्य – संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में 19 पदक जीतकर रचा नया इतिहास

♦ राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित 20 खिलाड़ी बने जिले के खेल ध्वजवाहक, आरोग्य कला कराटे एंड फिटनेस एकेडमी ने दिलाई नई पहचान

देवेन्द्रनगर (पन्ना) मध्यप्रदेश- बीना (सागर संभाग)। खेल प्रतिभा और अनुशासन के अद्भुत संगम का प्रदर्शन करते हुए जिले के कराटे खिलाड़ियों ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में इतिहास रच दिया। सालिए-69 कीड़ा प्रतियोगिता के तहत 8, 9 व 10 सितंबर को बीना (सागर संभाग) में आयोजित संभाग स्तरीय कराटे चैंपियनशिप में आरोग्य कला कराटे एंड फिटनेस एकेडमी के 20 खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल दिखाते हुए कुल 19 पदक (6 स्वर्ण, 12 रजत, 1 कांस्य) जीतकर जिले की खेल यात्रा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा दिया। जनरल सेक्रेटरी विजय सिंह चौहान, सीनियर कोच सिद्धार्थ सिंह चौहान और निर्णायक तनिस बानो व महक परवीन के मार्गदर्शन में तैयार इन युवा खिलाड़ियों ने न केवल खेल का स्तर ऊँचा किया बल्कि जिले के लिए कराटे में स्वर्णिम भविष्य की राह भी प्रशस्त की। अब यह खिलाड़ी 15 से 19 सितंबर को इंदौर में होने वाली राज्य स्तरीय अंडर-14 प्रतियोगिता और 4 से 8 अक्टूबर को ग्वालियर में आयोजित अंडर-17 एवं अंडर-19 प्रतियोगिताओं में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। पदक विजेता खिलाड़ी- स्वर्ण पदक विजेता- सभा बेगम, युवराज नामदेव, वरुण सिंह घोसी, अमन गुप्ता, सौरभ सिंह तोमर, निकिता प्रजापति। रजत पदक विजेता- हर्षित सोनी, मोहम्मद रेहान, शोएब खान, कृष्ण जड़िया, देवेश मिश्रा, संतोष सिंह, अंजलि सोनकर, राधिका मिश्रा, आयशा सोनी, सहजीब खान, भूमिका लखेरा, चाहत परवीन। कांस्य पदक विजेता- स्नेहा सोनी। नेतृत्व व मार्गदर्शन एकेडमी के अध्यक्ष ललित गुप्ता, वरिष्ठ प्रशिक्षक मोहम्मद शफी, व्यवस्थापक संतोष विश्वकर्मा व गणेश विश्वकर्मा, सीनियर प्लेयर रुचि सिंह चौहान, पूनम बर्मन, जितेंद्र विश्वकर्मा, शिवांग तिवारी और जयदित सिंह बुंदेला ने खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। खेल प्रतिभा को मिली नई पहचान स्थानीय खेल विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की प्रतियोगिताएँ न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं बल्कि ग्रामीण व छोटे शहरों की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का माध्यम भी बनती हैं। जिले के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कराटे जैसे अनुशासन, फिटनेस और मानसिक शक्ति के खेल में यहाँ के बच्चों ने खुद को संभाग व राज्य पर साबित कर दिया है।

# रीवा में बगुला मूवी का ऑडिशन, आधा दर्जन कलाकार हुए चयनित

## मुकेश तिवारी की बगुला मूवी का आडिशन रीवा मे संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रदीप कुमार तिवारी डिप्टी मैनेजर संपादक/ फिल्मी दुनिया में कदम रखने का सुनहरा मौका उस समय देखने को मिला जब रीवा शहर में बहुचर्चित बगुला मूवी का ऑडिशन आयोजित किया गया। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में युवाओं ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

कड़े मुकाबले और कई राउंड्स की प्रतिभा जांच के बाद आधा दर्जन स्थानीय कलाकारों का चयन इस फिल्म में अभिनय के लिए हुआ। बगुला मूवी का विषय बेहद गंभीर और समकालीन है। यह फिल्म युवाओं के बीच फैल रहे केमिकल नशे और खासकर कफ सिरप की लत पर केंद्रित है। किस तरह नशे की यह जाल युवा पीढ़ी को अंदर से खोखला कर रही है और समाज में विनाश का कारण बन रही है, यही इसकी मुख्य कहानी है। निर्देशक मुकेश कुमार तिवारी ने कहा कि – आज युवाओं को नशे के दलदल से बाहर निकालना समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

फिल्म 'बगुला' सिर्फ एक सिनेमा नहीं बल्कि एक सामाजिक संदेश है, जो हर घर तक पहुंचना चाहिए। हमारा प्रयास है कि इस मूवी के जरिए नशे के खिलाफ चेतना जगाई जाए और युवाओं को सही दिशा दिखाई जाए। फिल्म का स्क्रिप्ट बेहद सशक्त और भावनात्मक बताया जा रहा है। इसमें दिखाया जाएगा कि कैसे मासूम सपनों के साथ जीने वाले युवा धीरे-धीरे नशे की गिरफ्त में आकर अपराध और बर्बादी की राह पकड़ लेते हैं। वहीं दूसरी ओर कहानी यह भी बताती है कि संकल्प और जागरूकता से इस बुराई को हराया जा सकता है। ऑडिशन में चयनित कलाकारों ने कहा कि यह उनके लिए गर्व और चुनौती दोनों है। पहली बार उन्हें बड़े पर्दे पर अपनी कला दिखाने का अवसर मिलेगा और साथ ही समाज को सुधारने वाले संदेश का हिस्सा बनने का मौका भी। रीवा की धरती हमेशा से कला, साहित्य और संस्कृति की जननी रही है। अब बगुला मूवी के जरिए यह शहर सिनेमा की दुनिया में भी अपनी अलग पहचान बनाने की ओर अग्रसर है।

# बागेश्वर धाम कछिया से सोमवार को निकली भव्य राम पदयात्रा, हजारों श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। जिले के चांदनी बिहरपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत कछिया से सोमवार को भव्य राम पदयात्रा निकाली गई। इस यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज लिए जय श्रीराम के नारों से गगन गुंजा रहे थे। बता दें कि बागेश्वर धाम कछिया में प्रत्येक शनिवार और मंगलवार को दिव्य दरबार का आयोजन होता है। यहां छत्तीसगढ़ के साथ-साथ मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। श्रद्धालु अपनी अर्जी और मनोकामनाएँ लेकर दरबार में आते हैं, जहाँ उनकी सुनी जाती है। पदयात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा। महिलाएँ, बच्चे और बुजुर्ग सभी श्रद्धा और आस्था से यात्रा में सम्मिलित हुए। श्रद्धालुओं का कहना है कि बागेश्वर धाम कछिया अब एक प्रमुख आस्था केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है, जहाँ हर बार आने से उन्हें आत्मिक शांति और दिव्य अनुभव मिलता है।

# 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा में नवरात्रि महापर्व का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती – अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमान्डेंट 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा के नेतृत्व में आज नवरात्रि महापर्व का शुभारंभ श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। इस अवसर पर वाहिनी मुख्यालय के मंदिर में नवरात्रि के प्रथम दिवस पर माँ दुर्गा का विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना सम्पन्न हुई। पूजा-अर्चना के दौरान सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय और आध्यात्मिक आस्था से परिपूर्ण रहा। माँ दुर्गा की आरती और मंत्रोच्चारण से परिसर गूंज उठा और सभी ने एकाग्र भाव से माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पीयूष सिन्हा, उप कमान्डेंट, सोनू कुमार, उप कमान्डेंट, गोबर्धन पुजारी, उप कमान्डेंट सहित वाहिनी के अन्य अधीनस्थ अधिकारी, जवान एवं संदीक्षा परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से नवरात्रि के प्रथम दिवस का शुभारंभ हर्ष और उल्लास के साथ किया। कमान्डेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा कि नवरात्रि माँ दुर्गा की उपासना और शक्ति साधना का पर्व है, जो हमें सत्य, साहस और अनुशासन का मार्ग दिखाता है। माँ दुर्गा से प्रार्थना है कि वे सभी जवानों, उनके परिवारजनों एवं संदीक्षा परिवार को शक्ति, स्वास्थ्य और समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करें।

# पुलिस अधीक्षक ने निर्माणाधीन थाना नवीन माडर्न व थाना गिलौला का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती – श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा निर्माणाधीन नवीन मॉडर्न पुलिस थाना के नए भवन का निरीक्षण किया गया, वहां पर चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लिया। निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित को यह सुनिश्चित करने को कहा कि कार्य तय समय सीमा में पूर्ण हो, जिससे थाना परिसर जल्द ही संचालन में आ सके और जनता को बेहतर पुलिस सेवाएं मिल सकें। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों का रख रखाव, महिला हेल्प स्क सीसीटीएनएस कक्ष तथा थाना कार्यालय का गहन अवलोकन किया गया। निरीक्षण के उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा शारदीय नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु संवेदनशील स्थलों की पहचान कर सतर्कता बरतने, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में प्रभावी पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच, नवरात्रि व दुर्गा पूजा आवश्यक समन्वय स्थापित करने, पुलिस गश्त को नियमित एवं प्रभावी करने व महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए चौराहों व भीड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने आदि के संबंध में थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

# चिकित्सा कैंप सभी व्यक्तियों ने लाभ उठाया, एवं गुरु वंदन में प्रधानाचार्य अलका संगल का सम्मान किया

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली भारत विकास परिषद मानव शामली एवं इंटरनेशनल गुडविल सोसायटी शामली ने संयुक्त रूप से चिकित्सा कैंप का आयोजन एवं गुरु वन्दन, छात्र अभिनंदन का आयोजन किया। नगर पालिका परिषद में संरक्षक विजय गर्ग, पूर्व आईजी, डॉ राजेंद्र गोयल मानव संस्थापक, एवं गुडविल सोसायटी अध्यक्ष ने संयुक्त रूप से भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष डॉक्टर अजय चौधरी ने किया। सभी अतिथियों का एवं डॉक्टर का सम्मान किया संस्था द्वारा। चिकित्सा कैंप संचालन अमजद अली ने किया। न्यू मेड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल चिकित्सक द्वारा सभी व्यक्तियों का चेकअप एवं सलाह दी। अरविंद सिंह सीनियर मैनेजर, डॉक्टर खुशी गुप्ता महिला रोग, डॉ देवराज सिंह हड्डी रोग, सम्मिलित रहे। कैंप में बीपी, शुगर, ई सी जी , हड्डियों में कैल्शियम की जांच आदि अनेक टेस्ट किए गए। मरीज ने भरपूर लाभ उठाया। छात्र अभिनंदन में , अक्षय गुप्ता, अद्रव रही। गोयल, आदित्य शर्मा, इशिका शर्मा, तनीषा गुप्ता, कृष चौधरी, अनवी शर्मा, सम्मानित किया। गुरु वंदन में हिंदू गोयल, सक्षम बंसल, शुभ प्रधानाचार्य अलका संगल को शिक्षक के कन्या इंटर कॉलेज की अवसर पर कोषाध्यक्ष डॉक्टर अर्जुन वर्मा, रूप में सम्मान किया। इस गोयल, सहभागिता दीपशिखा चौधरी, वीना अग्रवाल, डॉ वीरेंद्र, डॉक्टर शिव चरण, गौरव गोयल, रवि संगल, सुनील अरोड़ा, राजेश बंसल, अरुण बंसल, बीना गर्ग, अखिल गोयल, कपिल शर्मा, रोहित मलिक, प्रदीप संगल, प्रमोद अग्रवाल, पुनीत, सचिन चौधरी, सुरेश शर्मा आदि रहे। जिला सहभागिता शशि

## संक्षिप्त समाचार

# अल्ट्रासाउंड सेंटर पर मनमानी रेडियोलॉजिस्ट की जगह टेक्नीशियन कर रहे अल्ट्रासाउं

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली – झिंझाना शामली अल्ट्रासाउंड सेंटर पर मनमानी, रेडियोलॉजिस्ट की जगह टेक्नीशियन कर रहे अल्ट्रासाउंड जिले के स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। जानकारी के अनुसार झिंझाना के एस एस अल्ट्रासाउंड सेंटर पर पंजीकृत रेडियोलॉजिस्ट की बजाय टेक्नीशियन अल्ट्रासाउंड कर रहे हैं। यह न केवल नियमों के विरुद्ध है बल्कि गंभीर स्वास्थ्य जोखिम भी पैदा करता है स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन के अनुसार अल्ट्रासाउंड जांच केवल मान्यता प्राप्त रेडियोलॉजिस्ट द्वारा ही की जा सकती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत और अनदेखी के चलते कई केंद्रों पर टेक्नीशियन द्वारा ही मरीजों की जांच की जा रही है जिले में जगह जगह लिंग जांच (Gender Determination) के मामले कई बार सुर्खियों में आ चुके हैं।कानूनन भ्रूण का लिंग बताना और लिंग चयन कराना कड़े तौर पर प्रतिबंधित है, फिर भी कुछ प्राइवेट अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर मनमाने तरीके से यह अवैध कार्य धड़ल्ले से हो रहे हैं इस तरह की गतिविधियाँ पीएनडीटी (Pre-Conception and Pre-Natal Diagnostic Techniques Act, 1994) के तहत गंभीर अपराध मानी जाती हैं। इसके लिए अल्ट्रासाउंड सेंटर का पंजीकरण रद्द किया जा सकता है सूत्रों के अनुसार झिंझाना स्थित एस एस अल्ट्रासाउंड के दो तीन बार अल्ट्रासाउंड कराने के बावजूद रिपोर्ट सही नहीं आती स्वास्थ्य विभाग मौन आखिर कब होगी कार्रवाई या स्वास्थ्य विभाग किसी बड़े हादसे के इंतजार में

# वाराणसी में दर्दनाक हादसा: जंफर जोड़ते समय पोल से गिरकर लाइनमैन की मौत, बिजलीकर्मियों ने ढाई घंटे किया हंगामा

वाराणसी जिले में जंफर जोड़ते समय पोल से गिरकर लाइनमैन की मौत हो गई। इससे नाराज परिजनों और बिजलीकर्मियों ने बनारस रेलवे स्टेशन के सामने स्थित डीपीएच मंडुवाडीह पर ढाई घंटे तक हंगामा किया। मड़ौली स्थित सेंट जॉन्स कॉलोनी

में रविवार को जंफर जोड़ने के दौरान संविदा लाइनमैन मनोज प्रजापति (40) पोल से गिरकर घायल हो गए। मौके पर मौजूद कर्मचारी उसे अस्पताल पहुंचे, इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पाकर परिजनों और बिजलीकर्मियों ने बनारस रेलवे स्टेशन के सामने स्थित डीपीएच मंडुवाडीह पर ढाई घंटे तक हंगामा किया। कर्मचारियों ने बिजली निगम की व्यवस्था पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि लाइनमैन को काम करने के लिए सेफ्टी उपकरण दिए जाने की बात केवल कागज पर ही होती है। मामले में लापरवाही पर जेई पंकज जायसवाल को निलंबित किया जाएगा।मिर्जामुराद के हरपुर भैरोनाथ गांव निवासी मनोज की तैनाती मंडुवाडीह डीपीएच पर संविदा लाइनमैन के रूप में हैं। रविवार की दोपहर वह मड़ौली में जंफर में हुए फॉल्ट ठीक करने गया। मनोज ने फॉल्ट दूर करने के लिए शटडाउन लिया और पोल पर चढ़ गया। इसी दौरान करंट आ गया। इस वजह से मनोज पोल से नीचे गिर गया। मौके पर पहुंचे कर्मचारियों ने देखा कि नीचे गिरने से मनोज का सिर फट गया था और खून बह रहा था। अस्पताल लेकर जाते समय ही उनकी मौत हो गई। शाम करीब 5.30 बजे से 8 बजे तक तक कर्मचारियों ने डीपीएच पर हंगामा किया। इस दौरान मनोज की पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य भी रहे।

एमएलसी धर्मेंद्र राय ने बताया कि बिजली के संविदाकर्मी की मौत मामले में निगम के एमडी से बात कर मुआवजा देने को कहा गया है। तत्काल 7.50 लाख रुपये परिजनों को मुआवजा दिलवाया जाएगा। साथ ही डीएम सत्येंद्र कुमार ने भी परिवार को पट्टे की भूमि उपलब्ध करवाने की दिशा में प्रयास करने का आश्वासन दिया है। बाकी सभी सुविधाएं नियमानुसार मुहैया करवाई जाएंगी। पहले शटडाउन लेकर वापस कर दिया, फिर चढ़ गया पोल पर – इस मामले में अधिशासी अभियंता कुलदीप का कहना है कि घटना की जानकारी मिलने के बाद प्राथमिक स्तर में पता चला है कि लाइनमैन ने रविवार की दोपहर 2.55 बजे फॉल्ट दूर करने के लिए शटडाउन लिया था। 10 मिनट बाद 3.05 बजे शटडाउन वापस करवा दिया। इसके बाद फिर उसी फीडर पर कुछ फॉल्ट देखा तो दोबारा बनाने के लिए चढ़ गया और कोई शटडाउन नहीं लिया गया था। इस वजह से काम करने के दौरान करंट उतर आया। पूरी रिपोर्ट मुख्य अभियंता को भेजी जाएगी।

# Are you being gaslighted? Identify these symptoms early.

People who are being gaslighted become confused, anxious, and sometimes find it difficult to trust themselves. In such a situation, it's important to know if you're being gaslighted. The term gaslighting is in the news these days. It's a form of mental abuse that forces the victim to doubt their own thinking and memory. These days, the term gaslighting is being heard and read a lot. It's a form of mental abuse that forces the victim to reconsider their own thinking, memory, and perception. Most often, the perpetrators of this are close people, people you blindly trust. If something like this is happening to you, let's learn how to identify it and protect yourself from such people. These are the symptoms of gaslighting: Doubting your own thinking and repeatedly doubting your memory. They begin to consider themselves absurd or stupid. They consider themselves incompetent and useless. They repeatedly apologize to the person who gaslights them. They also prevent others from questioning their flawed thinking. They isolate themselves. In which relationships does it occur most often? While gaslighting can occur in any relationship, it is most commonly seen in these: In close relationships: A person with an exploitative mindset gaslights their partner and tries to isolate them from others. They do this to break their self-confidence and control them. They constantly tell them that they are talking nonsense until their partner starts believing it. Children and parents: Gaslighting is often seen between children and parents, where many abusive parents resort to this to keep their children under control. They curse them even for things like crying and try to make them feel guilty. At the Workplace: Even in offices, supervisors often resort to gaslighting to project their fears, insecurities, or thoughts onto their subordinates. They attempt to project their negative emotions onto others. How to Recognize If It's Happening to You: While victims of gaslighting may not realize it's happening to them, you can recognize it by paying attention: The person gaslighting doesn't admit their mistakes or take responsibility for them. They tell you that you don't remember anything or that you're wrong, forcing you to blame them for those events. They never apologize for being wrong. They often say that you're crazy, that you're wrong, or that you're overly sensitive. They weaponize your past or use your insecurities against you. This is how you can stay safe: Recognize the behavior of a gaslighter. Keep track of your experiences by saving evidence like screenshots and text messages. Put your mental and emotional health first. Practice meditation or breathing exercises to calm yourself. You can also seek the help of a therapist to regain your lost confidence. This can significantly help mitigate the damage caused by gaslighting. If this is happening between couples, both partners can seek therapy.

# These morning habits will make your children smart and keep them ahead in the future.

A child's future depends largely on their upbringing. Whatever they learn and understand in their childhood, they implement it later in life. Therefore, as a parent, raising children is a responsible task. Similarly, good habits instilled in childhood lay a strong foundation for a child's future. Let's learn about them. Raising children is challenging for parents. Teaching them good habits is essential for a good future. As a parent, you can teach them many good habits. Every parent wants their child to be physically, mentally, and emotionally strong and intelligent. This begins with a daily routine, especially morning habits. Mornings symbolize freshness, energy, and a new beginning. If utilized properly, discipline, self-confidence, and positivity can develop in a child's life. So let's learn about some morning habits that can make your child smart. Waking up on time - Waking up early instills discipline in children. This balances their biological clock and ensures a good start to the day. Making the bed - Starting the day with small responsibilities instills a sense of responsibility in children and develops self-reliance. Yoga or exercise in the fresh air - 15-20 minutes of light exercise or yoga in the morning increases children's energy, strengthens concentration, and keeps them physically fit. Meditation or pranayama - 5 minutes of meditation calms children's minds and promotes emotional balance and positive thinking. Spending time in nature - Sunlight is a good source of vitamin D, which is essential for bones and the immune system. A nutritious breakfast - Skipping breakfast impacts children's learning ability. A healthy breakfast provides the brain with essential energy. Listening to inspirational stories or thoughts - Reading a short positive story early in the morning inspires children and improves their outlook. Preparing for one's own things - Packing one's own school bag, uniform, or lunch for the day in a calm morning makes them self-reliant and teaches time management. Preparing environment - Planning the entire day in advance to avoid the rush that starts early in the morning keeps the child mentally calm and focused. If these habits are incorporated into everyday life from childhood, the child not only becomes smart but also disciplined, self-reliant, and has a positive personality.

# Small things help children develop a positive mindset; follow these tips for better development.

Maintaining a positive mindset in every situation is crucial for children's mental development and self-confidence. Such children face life's challenges with courage and balance. This quality can be easily developed through proper parenting. Let's learn some parenting tips. A positive mindset is essential for children's development. It increases children's self-confidence. It is also crucial for children's mental health. In today's fast-paced and competitive world, it is crucial for children to remain mentally strong and positive. When children adopt a positive mindset in every situation, they face life's challenges with confidence. This quality not only makes them successful but also helps them live a happy and balanced life. Parents play a vital role in this. Some parenting tips mentioned here will help such children stay positive. Let's learn about them. How to maintain positivity? Set a positive example - Children deeply observe everything their parents say. If you are calm, optimistic, and solution-seeking during difficult times, your child will adopt this same attitude. Encourage open communication - Talk openly with children. Let them feel they can share their problems and feelings with you. This makes them feel lighter. Offer appreciation instead of criticism - Praise them for every achievement, big or small. This builds their self-confidence and helps them see themselves positively. Teach them to embrace failure as a learning experience - Tell children that mistakes are normal and every failure offers a new lesson. This will encourage them to focus on learning rather than fear. Develop a sense of gratitude - Teach them to be thankful for everyday things. This develops contentment and positive thinking in children. Create a positive environment - Encourage children to socialize with people who encourage them and keep them away from negativity. Participate in positive activities - Activities like yoga, meditation, creative writing, or art provide mental peace and positive thinking. Balanced use of technology - Controlling screen time is essential to keep children away from the negativity associated with social media or TV. Teach self-love - Teach children that they are good just the way they are. This develops self-confidence and positivity. Thinking positively in every situation helps children throughout their lives. Therefore, by adopting these suggestions, you can help your child become a strong, happy, and positive individual.

# Siddharth and Janhvi's 'Param Sundari' will be released on OTT platform. Where to watch the film?

**Param Sundari, starring Siddharth Malhotra and Janhvi Kapoor, was released in theaters on August 29th. Now, it is ready for release on the OTT platform. The story revolves around the lives of Param and Sundari, who meet through a matchmaking app and their lives change. Starring Siddharth Malhotra and Janhvi Kapoor, 'Param Sundari' was released in theaters last month. This film marked the first time Siddharth and Janhvi appeared together on-screen. The film generated considerable buzz even before its release. Many believed its story would be similar to Arjun Kapoor and Alia Bhatt's 'Two States'. However, the film received mixed reviews after its release. The emotional aspects of the film made it a feel-good experience. Furthermore, it received mixed reviews from critics and audiences. Now, there's good news for those who missed the theatrical release and want to watch it at home. Which OTT platform will the film be released on? - A major update has emerged regarding the movie's OTT release. After a successful theatrical run, the film is set for an OTT release. Reports suggest that Param Sundari will stream on Amazon Prime Video. While no official word on this, the film is expected to arrive on OTT in late October or early November. What is the story of Param Sundari? - The story revolves around Param (Sidharth Malhotra), a carefree and wealthy young man who enjoys investing in start-ups with his father's money. To prove his maturity and independence, he turns to Soulmates, a matchmaking app that promises to find anyone the perfect life partner. That's when he meets Sundari (Janhvi Kapoor), a down-to-earth and vivacious woman who runs a homestay in Kerala. What begins as a chance meeting turns into a life-changing journey filled with laughter, misunderstandings and unexpected romance.**

# Jams on the roads...posters in hands, Zubeen Garg's death in Singapore sends shockwaves through Assam

**Singer Zubeen Garg passed away on September 19th while scuba diving in Singapore, sending shockwaves across Assam. He was 52 years old and best known for his song "Ya Ali" from the movie "Gangster." Singapore police rushed him to the hospital, but he could not be revived. The accident occurred while he was scuba diving - the event was scheduled for September 20th. The sudden demise of Zubeen Garg has sent shockwaves through Assam. The singer was in Singapore for an event, where he died in a scuba diving accident on September 19th. Fans in Golaghat and several other parts of Assam are in shock. Zubeen was known for his hit song "Ya Ali" from the 2006 film "Gangster." Zubeen was 52 years old. People took out a procession - According to several media reports, Singapore police pulled Garg out of the sea and rushed him to a nearby hospital. Despite intense medical care, doctors were unable to save him. A wave of mourning swept across Assam. The All Assam Students' Union (AASU) organized a massive procession in Biswanath, where thousands of people gathered to bid the singer a final farewell. According to videos going viral on social media - shared by The Truth India on X - fans filled the streets, chanting slogans like "Zubeen da amar rahein" and "Joy Zubeen da." As a mark of respect, all commercial establishments in Biswanath town were also closed for 24 hours. Zubeen's concert was on September 20th - heartbreaking scenes were also witnessed in Golaghat. A huge crowd gathered, people openly wept, screamed, and held posters of their beloved singer. He was in Singapore to perform at the fourth Northeast India Festival held on September 20th.**

# Shah Rukh Khan deeply regretted rejecting this blockbuster film, and still considers himself an idiot.

**Shah Rukh Khan is known as the King of Bollywood and has given the industry many excellent films. Yet, he regrets rejecting a film that proved to be a blockbuster. After its blockbuster success, SRK jokingly remarked that he considered himself an idiot for rejecting it. Shah Rukh Khan had rejected this blockbuster film. King Khan regretted it - he calls himself an idiot. Shah Rukh Khan recently won the National Award for his film Jawaan. This achievement delighted Shah Rukh's fans, but some were disappointed, noting that he had already made several excellent films in his career for which he should have received this honor much earlier, such as Swades. Shah Rukh has been working in the industry for many years and has given the industry many excellent films. However, there is one film that King Khan deeply regretted rejecting. After rejecting it, he called himself an idiot. Shah Rukh Khan rejected this film - The film we are talking about is 3 Idiots. Shah Rukh Khan was offered a role in Rajkumar Hirani's film "3 Idiots," but he declined. He later expressed regret at missing the opportunity to play the fourth idiot alongside Aamir Khan, R. Madhavan, and Sharman Joshi. The King of Bollywood also expressed regret at rejecting Aamir Khan's blockbuster film. Called himself an idiot - On Karan Johar's show "Koffee with Karan," Shah Rukh Khan jokingly talked about the role, saying he regretted rejecting it. He said that if he had been the fourth "idiot" in "3 Idiots," he felt like the fourth idiot for not seizing this opportunity. In the glamorous world of Bollywood, where action and hero-villain conflicts are commonplace, he feels like the fourth idiot. Directed by Rajkumar Hirani, 3 Idiots turned out to be a perfect blend of emotion, comedy and a social message. Inspired by Chetan Bhagat's novel Five Point Someone, the film is based on the friendship of three engineering students and offers a perspective on the immense pressures of the Indian education system. On the work front, Shah Rukh Khan will next be seen in Sujoy Ghosh's King, where he will be sharing the screen with his daughter Suhana Khan.**

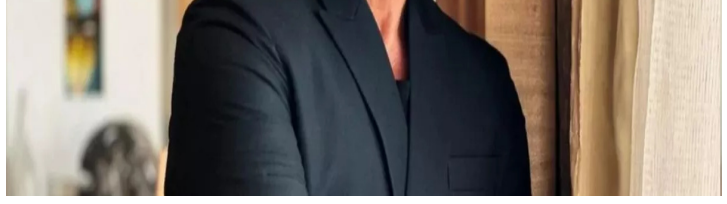

# 'Homebound' becomes India's official entry for the Oscars; which OTT platform will it be released on?

**Ishaan Khattar and Vishal Jethwa's 'Homebound' has been selected as India's official entry for the Best International Film category at the 2026 Oscars. Produced by Neeraj Ghaywan. The film tells the story of two friends who dream of becoming police officers. The film premiered at the 2025 Cannes Film Festival. Ishaan Khattar and Vishal Jethwa's 'Homebound' has been selected as India's official entry for the Best International Feature Film category at the 2026 Academy Awards. Produced by Neeraj Ghaywan. What is the story of 'Homebound'? Produced by Karan Johar and Adar Poonawalla, 'Homebound' depicts the poignant journey of two childhood friends from a small village in North India who share their dream of becoming police officers, a profession they believe will finally bring them the respect and dignity they have long been denied. The film premiered in Toronto in May 2025 at the Cannes Film Festival 2025. It was also selected for the Gala Presentation at the 2025 Toronto International Film Festival. Homebound is all set to hit the big screen on September 26th. Although the producers have not yet announced the film's OTT release date, we bring you information about which OTT platform the film will be released on. Which platform will it be released on? The movie will be streamed on Netflix. Films are typically released on OTT eight weeks after their theatrical release. Accordingly, the film will stream digitally in November. At the Cannes Film Festival 2025, Homebound received a nine-minute standing ovation from the audience. Everyone stood up and applauded the film. The film's director, Neeraj Ghaywan, previously described the film as a deeply personal story about friendship, respect, and survival. He reportedly said, "It's about people who are often overlooked. It's about the quiet strength they have in a world that rarely stops for them. I hope this film helps us look closer with empathy and understand what we've been conditioned to ignore."**